दैनिक पंचांग
सूर्योदयः 05:27 ए एम
सूर्यास्तः 07:09 पी एम
तिथिः चतुर्थी - 12:57 ए एम, मई 24 तक
नक्षत्रः आर्द्रा - 12:39 पी एम तक
योगः शूल - 04:47 पी एम तक
करणः वणिज - 12:04 पी एम तक
द्वितीय करणः विष्टि - 12:57 ए एम, मई 24 तक
पक्षः शुक्ल पक्ष
वारः बुधवार

हिन्दी दैनिक

झारखण्ड देखो

खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

Digital Edition
www.jharkhanddekho.com • वर्ष 03 • अंक 252 • पृष्ठ 8 • दुमका, बुधवार 13 सितम्बर 2023 • मूल्य 2 रुपये Email - Jharkhanddekho@gmail.com | epaper - Jharkhanddekho.com

उत्तर प्रदेश में भारी बारिश के कारण, अब तक 19 की मौत, कई जिलों में अलर्ट

लखनऊ/एजेंसी।

उत्तर प्रदेश में बारिश का कहर जारी है. लगातार हो रही बारिश की वजह से अब तक 19 लोगों की जान जा चुकी है. चार मौतें हरदोई में, तीन बाराबंकी में, प्रतापगढ़ और कन्नौज में दो-दो और अमेठी, देवरिया, जालौन, कानपुर, उन्नाव, संभल, रामपुर और मुजफ्फरनगर जिलों में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई है.आईएमडी ने यूपी के 31 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है और सात दिन तक बारिश का अनुमान जताया है. पिछले कई दिनों से हो रही बारिश की वजह से बाढ़ जैसे हालात पैदा हो रहे हैं. वहीं आम जनता और किसान काफी डरे हुए हैं.लेकिन राज्य के राहत आयुक्त जी एस नवीन कुमार का कहना है कि चिंता की कोई बात नहीं है सभी बांध फिलहाल सुरक्षित हैं.

लगातार हो रही बारिश की वजह से तापमान में भी गिरावट दर्ज की जा रही है.आईएमडी के अलर्ट को देखते हुए राज्य के कई जिलों में स्कूल और कॉलज बंद करने का आदेश जारी किया गया है. वहीं बारिश के अलर्ट को देखते हुए सीएम योगी ने अलर्ट वाले जिलों के अधिकारियों को समय से जरूरी कदम उठाने का आदेश दिया है. 14 सितंबर तक भारी बरसात का अनुमान मौसम विभाग ने जताया है.

यूपी में बारिश की स्थिति से अवगत कराते हुए राहत आयुक्त जी एस नवीन कुमार ने कहा कि राज्य में कहीं भी चिंता की स्थिति नहीं है. पिछले चौबीस घंटे में उत्तर प्रदेश में 31.8 मिमी.औसत वर्षा हुई है, जो सामान्य बारिश से 6.4 मिमी और 497 प्रतिशत है. प्रदेश में 1 जून, 2023 से अब तक 577.4 मिमी. औसत वर्षा हुई है, जो सामान्य बारिश से 665.2 मिमी. और 87 प्रतिशत है. राहत आयुक्त ने बताया कि पिछले 24 घंटों में प्रदेश के 25 जनपदों में 30 मिमी और उससे अधिक वर्षा दर्ज की गई है. हालांकि कोई भी नदी खतरे के जलस्तर से ऊपर नहीं बह रही है. 10 जनपदों के 168 गांव बाढ़ से प्रभावित है.

बारिश से प्रभावित जिलों में सर्च और रेस्क्यू के लिए एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और पीएसी की कुल 4 टीमें काम कर रही हैं. लोगों को राहत देने के लिए अब तक कुल 69674 ड्राई राशन किट, 448670 लंच पैकेट और 3150 डिगनिटी किट भी बांटे गए हैं. राज्य मे अब तक 1101 बाढ़ शरणालय, 869 पशु शिविर, जिसमे चारे आदि की व्यवस्था और 2869291 पशु टीकाकरण, 1504 -बाढ़ चौकियां, 2513-मेडिकल टीम गठित की गई हैं. इसके अलावा 3421 नावों को भी बचाव राहत कार्यों के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है. बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में करीब 2775 गौशालाओं के 4,61,778 जानवरों और अन्य जानवरों के लिए भी चारे की व्यवस्था की गई है. सभी संवेदनशील जिलों में कुल 5014 जगहों पर राहत चौपाल का आयोजन किया जा रहा है.

भाजपा और तिपरा मोथा कार्यकर्ताओं के बीच हिंसक झड़प, थाना प्रभारी सहित 12 लोग घायल, किया लाठीचार्ज

अगरतला/एजेंसी। त्रिपुरा के सिपाहीजाला जिले में सत्तारूढ़ भाजपा और विपक्षी टिपरा मोथा के बीच हिंसक झड़प हुई। इस दौरान एक पुलिस अधिकारी और दो अन्य कर्मियों सहित कम से कम 12 लोग घायल हो गए। पुलिस अधिकारी ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी।

हाल ही में हुए उपचुनाव में जीत के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं ने एक विशाल विजय रैली निकाली थी, उसी दौरान टिपरा मोथा और भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच हिसंक झड़प हो गई। बता दें कि यह घटना आदिवासी बहुल जम्पुइजाला इलाके में हुई। हिंसक झड़प के दौरान जब पुलिस टीम ने हस्तक्षेप करने की कोशिश की, तो तकरजला पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी रथिन देबबर्मा और दो अन्य कर्मियों पर पथराव किया गया, जिससे वे घायल हो गए। समूह को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया। झड़प के बाद रैली का स्थान बाद में तर्कजाला में स्थानांतरित कर दिया गया, जहां भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष राजीब भट्टाचार्जी ने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते आरोप लगाया कि भगवा पार्टी के कार्यकर्ता शांति को बाधित करने के विपक्ष के प्रयासों को रोकने के लिए सड़कों पर थे।

'डीजल गाड़ियों पर 10 फीसदी अतिरिक्त जीएसटी लगाने जैसा कोई प्रस्ताव नहीं: नितिन गडकरी

नई दिल्ली/एजेंसी।

डीजल गाड़ियों पर अतिरिक्त 10 फीसदी जीएसटी लगाने की खबरों के बीच केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बड़ा बयान दिया है. उन्होंने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा कि फिलहाल इस तरह का कोई प्रस्ताव नहीं भेजा गया है जिसमें डीजल गाड़ियों पर अतिरिक्त 10 फीसदी जीएसटी टैक्स लगाने की बात कही गई हो. बता दें कि कुछ घंटे पहले ऐसी खबरें आई रही थीं कि नितिन गडकरी ने वित्त मंत्री को एक प्रस्ताव भेजा है जिसपर उन्होंने डीजल गाड़ियों पर अतिरिक्त 10 फीसदी का टैक्स लगाने की बात कही

थी. हालांकि, अब जब नितिन गडकरी ने एक्स पर इस लेकर अपनी बात साझा की है तो ये साफ है कि फिलहाल डीजल गाड़ियों पर किसी तरह का अतिरिक्त टैक्स नहीं लगने जा रहा है.

पहले खबर आ रही थी कि केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने डीजल कार को लेकर बयान दिया है. मीडिया रिपोर्ट में यह खबर आई कि वाहन विनिर्माताओं के संगठन सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स, सियाम (SIAM) की 63वीं एनुअल कंनवेंशन में नितिन गडकरी ने डीजल की गाड़ियों पर 10 फीसदी एक्स्ट्रा GST लगाए जाने का प्रस्ताव दिया है. रिपोर्ट में कहा था कि उन्होंने इस प्रस्ताव को लेकर आज वह आज वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से बात करने जा रहे हैं.

डीजल गाड़ियों पर अतिरिक्त GST लगाने को लेकर ड्राफ्ट पेपर तैयार मीडिया रिपोर्ट में बताया गया था कि केंद्रीय मंत्री ने मंगलवार को कहा, प्रदूषण का बढ़ता स्तर लोगों के स्वास्थ्य के लिए खतरा है. वह वायु प्रदूषण कम करने के लिए डीजल वाहनों और जेनसेट पर ''प्रदूषण टैक्स'' के रूप में 10 प्रतिशत अतिरिक्त जीएसटी लगाने का अनुरोध करेंगे. इसके साथ ही केंद्रीय मंत्री ने कहा कि लोगों को प्रदूषण से मुक्ति मिल सके, इसके लिए मैं वित्त मंत्री से डीजल की गाड़ियों पर अतिरिक्त 10 प्रतिशत GST लगाने का अनुरोध कर रहा हूं. यह अतिरिक्त प्रदूषण टैक्स है,

अशोक गहलोत का कोटा दौरा रद्द

जयपुर/एजेंसी। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का मंगलवार का कोटा दौरा रद्द हो गया और वह चंबल रिवर फ्रंट के लोकार्पण कार्यक्रम में शामिल नहीं होंगे हालांकि बुधवार के उनके कार्यक्रम यथावत रहेंगे। गहलोत ने स्वयं सोशल मीडिया पर यह जानकारी देते हुए कहा हमारे वरिष्ठ साथी स्वायत्त शासन एवं नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवाल ने कोटा रिवर फ्रंट के रूप में हाड़ौती को एक ऐतिहासिक सौगात दी है। हाड़ौती क्षेत्र पर्यटन के क्षेत्र में पिछड़ा रहा है परन्तु यह रिवर फ्रंट यहां पर्यटन बढ़ाने के लिए मील का पत्थर साबित होगा एवं कोटा के विकास की नई इबारत लिखेगा।

उन्होंने कहा पिछले कार्यकाल में धारीवालजी ने कोटा को सेवन वंडर्स की सौगात दी थी जिस पर अब फिल्मों की शूटिंग तक होती है। उन्होंने कहा12-13 सितंबर को कोटा के लोकार्पण मेरे द्वारा प्रस्तावित थे जिसका मैं बेसब्री से इंतजार कर रहा था

शिबू सोरेन की तबीयत में सुधार, जल्द रांची लौटेंगे

रांची।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के पिता शिबू सोरेन की तबीयत अब स्थिर है। डॉक्टरों ने उन्हें निगरानी में रखा है हालांकि उनकी सेहत सामान्य है। संभावना जताई जा रही है कि एक दो दिन शिबू सोरेन को डॉक्टर अपनी निगरानी में रखेंगे उसके बाद उन्हें

अस्पताल से डिस्चार्ज किया जा सकता है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के रात्रि भोज में शामिल होने के लिए शिबू सोरेन हेमंत सोरेन के साथ 9 सितंबर को दिल्ली गये थे। वापसी के वक्त अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गयी। तबीयत खराब होने के बाद शिबू सोरेन को दिल्ली की सर गंगाराम हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। इस दौरान हेमंत सोरेन उनके साथ थे और डॉक्टरों से उन्होंने अपनी पिता के सेहत की पूरी जानकारी ली।

Dipendra Singh
9335448671

R.K. Choudhary
8384831556

RK marbles & tiles

मार्बल & ग्रेनाइट
राजस्थान वाले

रेलवे स्टेशन के सामने, रिंग रोड, दुमका (झारखंड)

उपायुक्त ने सुना आमजनों की समस्या

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

कार्यालय कक्ष में उपायुक्त आंजनेयुलु दोड्डे ने मंगलवार को जनता दरबार में समस्याओं को लेकर आए आमजनों की समस्याएं सुनी। उन्होंने आमजनों की समस्याओं से जुड़े आवेदनों का संज्ञान में लेते हुए संबंधित पदाधिकारी को त्वरित गति से मामलों का नियमानुसार निष्पादन करने का निर्देश दिया।

समस्याओं में मुख्य रूप से पीएम आवास , बैंक खाता, राशन कार्ड, प्रमाण-पत्र संबंधित समेत अन्य मामले शामिल थे। ज्ञात हो कि सप्ताह के प्रत्येक मंगलवार और शुक्रवार को उपायुक्त जनता दरबार के माध्यम से आम जनों की समस्याएं सुन उनका निराकरण करते हैं।

डीआईजी की मौजूदगी में पुलिस अधीक्षक पीतांबर सिंह खेरवार ने की अपराध समीक्षा बैठक

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। मंगलवार को पुलिस अधीक्षक पीतांबर सिंह खेरवार ने जिले के सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी,पुलिस उपाधीक्षक,पुलिस निरीक्षक एवं सभी थाना प्रभारियों के साथ अपराध समीक्षा की बैठक की।

बैठक में पुलिस उप-महानिरीक्षक, संथाल परगना क्षेत्र,दुमका सुदर्शन प्रसाद मंडल शामिल हुए।बैठक में पुलिस उपमहानिरीक्षक सुदर्शन प्रसाद मंडल ने सभी थाना प्रभारियों को संगठित अपराध की रोकथाम हेतु क्या-क्या कार्रवाई की जानी चाहिए, विधि व्यवस्था की समस्या से निपटने के टिप्स एवं कई कानूनी जानकारियां दी।बैठक में पुलिस अधीक्षक ने सभी थाना प्रभारियों को लंबे समय से लंबित कांडों को त्वरित गति से निष्पादन करने हेतु लक्ष्य निर्धारित करने का निर्देश दिया।

पुलिस अधीक्षक ने विधि व्यवस्था संबंधित विषयों पर समीक्षा कर सभी पुलिस पदाधिकारी को विशेष दिशा निर्देश दिए।वाहन चोरी की घटना को रोकने के लिए पुलिस अधीक्षक ने गस्ती पार्टियों को लगातार गस्ती करने का निर्देश दिया।मौके पर उन्होंने महिला सुरक्षा से संबंधित आवश्यक दिशा निर्देश दिए एवं सभी थाना प्रभारियों को अपने क्षेत्र के स्कूल एवं कॉलेजों में सेमिनार आयोजित कर पोक्सो एक्ट,साइबर अपराध की रोकथाम से संबंधित जागरूकता अभियान चलाने हेतु निर्देशित किया।

संक्षिप्त समाचार

खाद्य कारोबारियों को दिया गया तीसरे बैच का प्रशिक्षण

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (FSSAI) के निदेशानुसार सभी खाद्य कारोबारी एवं खाद्य प्रतिष्ठानों को Fostac (Food Safety Training & Certification programme of FSSAI) कार्यक्रम के अंतर्गत सूचीबद्ध संस्थानों से प्रशिक्षण प्राप्त करने के उपरांत प्रमाण-पत्र लेना अनिवार्य किया गया है। इस प्रशिक्षण के लिए दुमका जिला में ऋरअक द्वारा सूचीबद्ध एजेंसी अरोमा शिक्षा एवं सेवा समिति, कोरबा, छत्तीसगढ़ का चयन किया गया है। प्रशिक्षण कराने के लिए खाद्य कारोबारियों का उक्त एजेंसी द्वारा पुरे दुमका जिला में पंजीकरण किया जा रहा है। इसी क्रम में आज उक्त एजेंसी के ट्रेनर हर्षवर्धन द्वारा खाद्य कारोबारियों के तीसरे बैच का प्रशिक्षण खाद्य सुरक्षा कार्यालय, दुमका में दिया गया। उक्त प्रशिक्षण में उन्हें पैकेट फूड आइटम में मैन्युफेक्चरिंग एवं यूज्ड बाय तिथि,FSSAI Number, रासायनिक कलर के दुष्प्रभाव, होटल/रेस्टुरेन्ट मालिकों को प्रतिष्ठान के किचन एवं व्यक्तिगत साफ-सफाई की जानकारी दी गयी। खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी, दुमका द्वारा कहा गया कि यह प्रशिक्षण आगे भी जारी रहेगा एवं ऐसे खाद्य कारोबारी जिन्होंने अभी तक प्रशिक्षण हेतु पंजीकरण नहीं करवाया है, वे Fostac का प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु पंजीकरण कराना सुनिश्चित करें। उक्त अवसर पर चैम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष मुस्ताक अली,अरोमा शिक्षा एवं सेवा समिति के स्टेट कॉडिनेटर संजय कुमार उपस्थित थे।

सांसद के प्रयास से दुमका जिला में पीएमजीएसवाई की 42.6 किलोमीटर सड़क की स्वीकृति

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। सांसद सुनील सोरेन के प्रयास से दुमका जिला में बनने वाली 42.6 किलोमीटर लंबी प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की स्वीकृति प्राप्त हुई है । विभाग द्वारा जानकारी दी गई है कि दुमका में पीएमजीएसवाई के द्वारा चार नई सड़कों का निर्माण होगा । ये सड़क हैं - मसलिया प्रखंड के मायसामुगर से मोहनपुर भाया गोड़माला (11.700 किमी) , मसलिया प्रखण्ड के ही अन्तर्गत अस्ताजोड़ा से हथियापाथर (11.250 किमी) , जामा प्रखण्ड क्षेत्र के ऊपररेंगनी से बैसा चौंक (05.150 किमी) , जामा प्रखण्ड अन्तर्गत सिमरा से जामा भाया बसबुटिया (14.500 किमी) . इन चारों महत्वपूर्ण सड़कों की स्वीकृति मिलने पर दुमका सांसद सुनील सोरेन ने काफी प्रसन्नता जताई है । उन्होंने कहा कि ईलाके में भ्रमण के दौरान इन क्षेत्रों में रहने वाले ग्रामीणों के द्वारा अक्सर इन सड़कों की मांग की जा रही थी । उनके द्वारा बताया जा रहा था कि इन सड़कों के निर्माण से उन्हें आवागमन में काफी सहूलियत होगी । लोगों की जरूरत को देखते हुए मैंने इसके लिए केंद्र सरकार से पहल की और इसकी स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है । बहुत जल्द इन सड़कों के निर्माणका शिलान्यास होगा । सांसद ने इन चारों सड़कों की स्वीकृति प्रदान करने के लिए भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को क्षेत्र की जनता की ओर से धन्यवाद दिया है । इसके पूर्व भी दुमका लोकसभा क्षेत्र में सैकड़ों किमी सड़कों का निर्माण पूर्ण हो चुका है और सैकड़ों किमी सड़कों के निर्माण का कार्य शुरू हो चुका है। माननीय प्रधानमंत्री जी के कुशल नेतृत्व में भारत विकसित देशों की श्रेणी में शीघ्र ही शामिल होगा।

शिक्षक अभिभावक गोष्ठी का आयोजन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। रामगढ़ के जोगिया स्थित बिरसा मुंडा आवासीय उच्च विद्यालय सह ज्ञानालोक शिक्षण संस्थान में मंगलवार को विद्यालय के प्रधानाचार्य नरेन्द्र कुमार साह की अध्यक्षता में शिक्षक-अभिभावक गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में प्रधानाध्यापक नरेन्द्र कुमार साह ने अभिभावकों से कहा कि केवल विद्यालय के भरोसे आपके बच्चों का सर्वांगीण विकास संभव नहीं है। 24 घंटे में मात्र 6 घंटे ही बच्चे विद्यालय में रहते हैं। बाकी का समय घर पर गुज़ारते हैं। इसलिए सभी अभिभावकों की भी जवाबदेही बनती है कि घर पर भी बच्चों को पढ़ने के लिए प्रेरित किया जाए। शिक्षकों का हर संभव प्रयास रहता है कि उनके विद्यालय में पढ़ने वाले छात्र-छात्राएं अच्छा प्रदर्शन करें तथा उनका बेहतर भविष्य हो सके। उन्होंने सभी अभिभावकों को बताया कि छात्र-छात्राओं पर नजर रखने के लिए विद्यालय के पूरे परिसर में सीसी टीवी कैमरा लगा दिया गया है। अगले दो माह के दौरान स्मार्ट क्लासेस के जरिए शिक्षा व्यवस्था संचालित होगी। उन्होंने सभी अभिभावकों से अपने बच्चों को प्रतिदिन स्कूल भेजने का अनुरोध करते हुए कहा कि किसी कारणवश अगर आपका बच्चा स्कूल नहीं आ रहा है तो इसकी जानकारी विद्यालय को अवश्य दें। उन्होंने कहा कि विद्यालय में शिकायत एवं सुझाव पंजी उपलब्ध है। समस्या के समाधान के लिए आप सभी अपना सुझाव दे सकते हैं। बता दें कि विद्यालय प्रबंधन के द्वारा प्रति चार माह पर शिक्षक अभिभावक गोष्ठी का आयोजन किया जाता है। इस तरह के आयोजन से बच्चों के सर्वांगीण विकास में काफी लाभ मिलेगा। गोष्ठी के दौरान आनंद कुमार साहा,सरोज दूबे,संदीप गुप्ता,मुकेश पंडित,सिमोन मरांडी,रीना पाण्डेय सहित सभी शिक्षक शिक्षिकाएं मौजूद थे।

सड़क जाम करने के मामले में मुखिया समेत 20 से 25 अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। काठीकुंड थाना क्षेत्र के दुमका-पाकुड़ मुख्य मार्ग पर बीते सोमवार को जनवितरण प्रणाली के अनाज की मांग को लेकर लाभुकों द्वारा प्रखंड कार्यालय के समक्ष सड़क जाम करने के मामले में काठीकुंड थाना में मुखिया समेत 20 से 25 अज्ञात के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया है। प्रखंड के गोदाम प्रबंधक वीरेंद्र मंडल के लिखित बयान पर बड़तल्ला पंचायत के मुखिया दुरबिन किस्कु सहित 20 से 25 अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। थाना प्रभारी नित्यानंद भोक्ता ने बताया की भादवि धारा 143,147,149,353,341,283,188, आईपीसी के तहत मुकदमा दर्ज कर किया गया है।जानकारी के अनुसार बड़तल्ला पंचायत के लाभुकों ने सोमवार को दुकानदार पर अनाज वितरण में अनियमितता की शिकायत को लेकर सड़क जाम किया था। सड़क जाम से छह घंटों तक आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया था।जाम की सूचना मिलते ही जाम समर्थकों से बात कर जाम हटाने को लेकर एसडीपीओ नूर मुस्तफा व विधायक प्रतिनिधि जोन सोरेन ने जाम स्थल पर पहुंचकर जाम हटाने का प्रयास किया। उनके द्वारा प्रखंड विकास पदाधिकारी रजनीश कुमार से फोन पर बात कर कार्डधारियों के समस्या का समाधान करने का आश्वासन देने के बाद ही जाम हटाया जा सका। इधर थाना प्रशासन ने सड़क जाम करने वाले के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी हैं।

एलएलबी सेमेस्टर - 2 और 5 का परिणाम प्रकाशित

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। मंगलवार को सिदो-कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय द्वारा एलएलबी सेमेस्टर - 2 परीक्षा 2020, सत्र 2019-22 एवं एलएलबी सेमेस्टर - 5 परीक्षा 2020, सत्र 2018-21 का परीक्षाफल घोषित कर दिया गया है। एल॰एल॰बी॰ सेमेस्टर - 2 के कुल 104 परीक्षार्थी सम्मिलित हुए, जिसमें 69 परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए हैं, इस प्रकार उत्तीर्णता का प्रतिशत 66.35 है तथा एलएलबी सेमेस्टर - 5 के कुल 78 परीक्षार्थी सम्मिलित हुए, जिसमें 74 परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए हैं, इस प्रकार उत्तीर्णता का प्रतिशत 94.87 है। यहाँ बताते चले कि एलएलबी सेमेस्टर - 2 में लगभग 30 छात्र-छात्राओं का परिणाम परीक्षा विभाग द्वारा रेजिस्ट्रेशन में त्रुटि रहने के कारण पेंडिंग कर दिया गया है।इस सम्बंध में विश्विविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डॉ. राजीव रंजन सिन्हा ने कहा रेजिस्ट्रेशन सम्बन्धित त्रुटि दूर होते ही रिजल्ट प्रकशित कर दिया जाएगा।उक्त रिजल्ट को कल से विश्विविद्यालय के आधिकारिक वेबसाइट पर देखा जा सकता है।

बूथ कमेटी का विस्तार करने का दिया निर्देश

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। रामगढ़ के प्रोजेक्ट कन्या उच्च विद्यालय में प्रखंड कांग्रेस कमेटी के नवनियुक्त अध्यक्ष संजय कुमार राय की अध्यक्षता में मंगलवार को बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मुख्य रूप से उपस्थित जिला महासचिव राजीव जायसवाल ने कहा कि प्रदेश कमेटी के निर्देश के अनुसार पार्टी संगठन का विस्तार किया जाना है। जिसके तहत रामगढ़ प्रखंड के सभी 27 पंचायतों के पंचायत अध्यक्ष को अपने अपने पंचायत में पंचायत कमेटी का विस्तार करना है। साथ ही प्रखंड अध्यक्ष संजय राय को भी अपने प्रखंड कमेटी का विस्तार करने के साथ साथ बूथ स्तर पर पार्टी को संगठित करके मजबूती प्रदान करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में दुमका में किस प्रकार से हमारे इंडिया एलाइंस को मजबूत करें इसके लिए प्रयास किया जाना है। कांग्रेस पार्टी जन समस्याओं को लेकर हमेशा आंदोलित रही है कहा कि हमारे कार्यकर्ता गांव की समस्याओं को प्रखंड कमेटी के पास रखें प्रखंड कमेटी प्रशासनिक अधिकारियों से मिलकर समस्याओं का उचित निष्पादन कराएगी। किसी भी समस्या का समाधान के लिए पार्टी सामूहिक रूप से प्रयास करेगी और लोगों से जुड़े मुद्दे को हमेशा उठाने का काम करती रहेगी। आज के इस कार्यक्रम में कन्हाई प्रसाद साह,देवीलाल हेमब्रम ,साकेत कुमार ,अरविंद सोरेन, रुस्तम अंसारी ,रामू मरांडी, शंकर हांसदा, इमानुएल सोरेन, राजेंद्र बेसरा, किशोर राय, सुरेंद्र हांसदा आदि कार्यकर्ता शामिल थे।

उपायुक्त ने की राजस्व संग्रहण की समीक्षा बैठक संपन्न, राजस्व संग्रहण करने का दिया निर्देश

पाकुड़/झारखंड देखो।

मंगलवार को समाहरणालय सभागार में राजस्व संग्रहण की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता उपायुक्त मृत्युंजय कुमार बरणवाल ने की। बैठक में खनन, मत्स्य, उत्पाद, निबंधन, बाजार समिति, सहायक निबंधन अंकेक्षण, वाणिज्यकर, मापतौल, परिवहन, वन, विद्युत, नगर परिषद्, भूमि सुधार, समेत सभी अंचलों को राजस्व संग्रहण के लक्ष्य के विरूद्ध प्राप्त संग्रहण की समीक्षा की गई और राजस्व संग्रहण बढ़ाने के निदेश दिए। खनन विभाग के द्वारा अब तक की गई राजस्व संग्रहण की जानकारी ली, इसे और बढ़ाने का निदेश उपायुक्त द्वारा दिया गया। इस क्रम में उत्पाद विभाग, नगर परिषद, परिवहन विभाग एवं सभी विभागों को राजस्व में तेजी लाने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने कहा कि राजस्व वसूली में कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही साथ उपायुक्त ने नीलाम पत्र, विद्युत होल्डिंग टैक्स से संबंधित बड़े बकायदारों को चिन्हित कर नोटिस निर्गत करते हुए शत प्रतिशत वसूली करने का निर्देश जिला नीलाम पदाधिकारी को दिया। मौके पर अपर समाहर्ता मंजू रानी स्वांसी, अनुमंडल पदाधिकारी हरिवंश पंडित, जिला परिवहन पदाधिकारी संजय पीएम कुजूर, कार्यपालक दंडाधिकारी प्रमोद कुमार दास, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ चंदन, जिला खनन पदाधिकारी प्रदीप कुमार साह, कार्यपालक दंडाधिकारी रश्मि कांति, जिला निबंधन पदाधिकारी सौरभ वर्मा, प्रशासक, नगर परिषद राजकमल मिश्रा समेत अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

बीडीओ ने साप्ताहिक बैठक कर विकास योजनाओं की समीक्षा कर कई निर्देश दिए

पाकुड़िया(पाकुड़)/झारखंड देखो। प्रखंड सभा कक्ष में मंगलवार को बीडीओ मनोज कुमार की अध्यक्षता में विकास योजनाओं का साप्ताहिक समीक्षात्मक बैठक किया। बैठक में बीडीओ कुमार ने पहले प्रखंड में चल रहे प्रधानमंत्री आवास एवं मनरेगा योजना का समीक्षा पंचायतवार किया। जिसमें सभी आधा अधूरा पीएम आवासो एवं आंगनवाड़ी केंद्रों को जल्द पूर्ण करने का निर्देश उपस्थित सभी सचिव एवं अभियंताओं को दिया।साथ ही 18 पंचायत में पोटो हो खेल मैदान योजना को जल्द पूर्ण करने का कड़ा निर्देश दिया । इसके अलावे प्रखण्ड में 279 एकड़ जमीन में बागवानी लगाने का टारगेट दिया गया था । टारगेट को जल्द से जल्द पूर्ण करने का निर्देश दिया गया है। मौके पर बीपीओ जगदीश पंडित, सहायक अभियंता रोहित कुमार गुप्ता, कनीय अभियंता लालू रविदास, प्रेम प्रकाश टुडू, बीपीआरओ त्रिदीप कुमार शील, पंचायत सचिव सहित रोजगार सेवक उपस्थित थे।

समाज सेवी विभाषा मिश्रा ने किडनी मरीज को किया रक्तदान

पाकुड़/झारखंड देखो। किडनी रोग से ग्रसित बड़ी अलीगंज निवासी रविंद्र ठाकुर पिछले कई दिनों से बीमार चल रहे हैं। जिनका इलाज सदर अस्पताल पाकुड़ में किया जा रहा है। चिकित्सकों के एक दल ने इन्हें जल्द से जल्द रक्त चढ़ाने की सलाह दी। इसकी जानकारी पत्थर व्यवसाई व समाजसेवी विभाषा कुमार मिश्रा को लगा। विभाष कुमार मिश्रा जी ने अपनी इच्छा से बिना किसी दबाव के पीड़ित व्यक्ति को अपनी रक्तदान करने की इच्छा जाहिर की। जानकारी के साथ ही श्री मिश्रा रक्त अधिकोष गृह पहुंचकर उक्त रोगी के लिए अपना रक्त दान किया। विभाषा मिश्रा जी पूर्व में भी अपने रक्त का दान कर चुके हैं और रक्तदान करते रहते हैं।श्री मिश्रा ने बताया कि जब किसी भी जरूरतमंद की आवशयकता होगी तो मैं अपना रक्त व्यक्ति की जान बचाने के लिए अवशय दान करूंगा और करते रहूंगा। उन्होंने कहा कि रक्तदान करना एक पुण्य का कार्य है। अगर हमारे रक्त से किसी व्यक्ति की जान बच सकती है तो मैं बार-बार रक्तदान करता रहूंगा, ताकि किसी की जिंदगी बचाई जा सके। श्री मिश्रा ने जिले वासियों से अपील की कि जरूरतमंद व्यक्ति को अवशय रक्तदान करना चाहिए। इससे अपना शरीर भी स्वस्थ रहता है और किसी की जिंदगी भी बच सकती है। दूसरी ओर रक्तदाता श्री मिश्रा को रविंद्र ठाकुर के परिवार ने आभार जताया है। उन्होंने कहा कि इनकी जीतनी प्रशंसा की जाए कम है। मौके पर नवीन कुमार एवं समीर प्रमाणिक उपस्थित रहे।

घाघरजानी मैदान में प्रखंड स्तरीय खेलो झारखंड प्रतियोगिता आयोजित हुआ

हिरणपुर(पाकुड़)/झारखंड देखो। खेलो झारखण्ड कार्यक्रम के तहत मंगलवार को घाघरजानि स्थित मैदान में प्रखंड स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित हुई। खेल का शुभारम्भ बीईईओ रफ़ीक आलम, बीपीओ किशन भगत व दीपक साहा के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस प्रतियोगिता में 400 मी बालिका दौड़ में चंपा कुमारी उमवि देवापाड़ा प्रथम, झांसी बास्की हिरणपुर द्वितीय व रानीबीटी टुडू कस्तूरबा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वही 400 मी बालक में स×फहद अंसारी बड़तल्ला प्रथम, रावण सोरेन रानीपुर, सनातन हांसदा गोपालपुर तृतीय, 600 मि बालक में अजमल अंसारी बड़तल्ला प्रथम, जग्य मुर्मू गोपालपुर द्वितीय, साहेब मरांडी केंदुआ ने तृतीय स्थान हासिल किया। वही बालिका वर्ग में हसीना खातून हिरणपुर प्रथम, तमन्ना खातून हाथकाठी व तालामय किस्कु देवपुर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता में 100 , 200 मीटर की बालक -बालिका दौड़ के अलावे लम्बी कूद, ऊंची कूद, कबड्डी आदि खेल आयोजित हुई। बीईईओ ने बताया कि दो दिवसीय इस खेल प्रतियोगिता में कई विद्यालयो के बच्चो ने भाग लिया। मौके पर बालक मध्य विद्यालय के सहायक अध्यापिका रिमा शील, पूनम देवी आदि उपस्थित थे।

वन विभाग के सरकारी भूमि को अतिक्रमण कर कुराँव खेती करने के आरोप में एक गिरफ्तार

- **15 को अमड़ापाड़ा वन कार्यालय का घेराव पहाड़िया समाज एवं हिलएसेम्बली पहाड़िया महासभा करेगी**

पाकुड़/झारखंड देखो।

वन विभाग के सरकारी भूमि को अतिक्रमण किया जा रहा है, इसी क्रम में 10 सितम्बर को गश्ती के क्रम में मौजा गौरपाड़ा सुरक्षित वन में अतिक्रमण एवं कुराँव खेती करते हुए कुछ लोगो को पाया गया. वन विभाग के गश्ती दल को देखकर भागने लगे तथा भागने के क्रम में पीछा करने के दौरान एक अभियुक्त रामा पहाड़िया पिता स्व जबरा पहाड़िया, उम्र 40 वर्ष, ग्राम गौरपाड़ा पोस्ट डूमरचीर थाना अमड़ापाड़ा पाकुड़ झारखंड को भारतीय वन अधिनियम 1927 (बिहार संशोधन अधिनियम 9 / 1990) की धारा 66अ एवं 33 के उल्लंघन करने के जुर्म में धा-रा-64 के तहत गिरफ्तार कर लिया गया तथा अन्य अभियुक्त भागने में सफल रहे जिनका नाम कालु पहाड़िया पिता नारायण पहाड़िया, गणेश पहाड़िया पिता स्व सोनिया पहाड़िया, मांगले पहाड़िया पिता स्व धर्मा पहाड़िया, बामना पहाड़िया पिता- सिंगे पहाड़िया सभी अभियुक्त ग्राम गौरपाड़ा, थाना अमड़ापाड़ा, पाकुड़, झारखण्ड के रूप में चिन्हित किया गया। विद्वित हो कि गौरपाड़ा सुरक्षित वन में इन्ही अभियुक्तों द्वा-रा पूर्व में भी अतिक्रमण एवं कुराँव खेती किया गया था. इनके विरूद्ध वन बाद न्यायालय में दर्ज कराया गया है, जिसका सीसी क्रमांक-296 / 2022 है। परंतु फिर से इन्ही अभियुक्तों द्वारा जोर जबरदस्ती कर अतिक्रमण एवं कुराँव खेती करने का कार्य किया जा रहा है जिसे मौके पर रोकने का प्रयास किया गया, तथा उक्त एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। उपरोक्त वर्णित अन्य वन माफिआवों के विरूद्ध लगातार छापामारी जारी है, वैसे शातिर अपराधियों एवं वन अतिक्रमणकारियों को तुरन्त गिरफ्तार कर जेल भेजने के लिए वन विभाग ने कमर कस ली है। गश्ती दल की कमान मुख्य रूप आरबी प्रसाद, वन क्षेत्र पदाधिकारी पाकुड़ ने संभाल रखा है. गश्ती दल में वनपाल बबलु कुमार दे-हरी, वनरक्षी नसीरूल इस्लाम, वनरक्षी सुनील कुमार साहा, नंदु दास, अमड़ापाड़ा के साथ गृह-रक्षक, अनुप, पिन्टु दिपम, संजीव, दिनेश, तौसीफ तथा अन्य वनकर्मी शामिल थे। वही इस घटना के बाद अमड़ापाड़ा प्रखंड के डुमरचीर हाट में सरदार जबड़ा पहाड़िया की अध्यक्षता में हिलएसेम्बली पहाड़िया महासभा के द्वारा बैठक का आयोजन कर वन विभाग कार्यालय घेराव करने का निर्णय लिया गया। हिलएसेम्बली पहाड़िया महासभा के केन्द्रीय अध्यक्ष सह भाजपा नेता शिवचरण मालतो ने कहा कि भारत की आजादी के ईसा पूर्व 302 से भी कहीं ज्यादा आवधि से इस एतिहासिक राजमहल की पहाड़ में निवास करते आ रहे हैं। जबकि अन्ग्रेजी हुकुमत पहली बार सन 1850 ई में वन अधिनियम बना है। आदि निवासी आदिम जनजाति पहाड़िया इस क्षेत्र के मुल निवासी हैं और पहाड़ जंगल को सुरक्षित रखना हम पहाड़िया अहम भूमिका निभाते हैं। जंगल, पहाड़ का रखवाले होने के साथ-साथ खेती करने का अधिकार दिया गया है। पहाडियों को मुख्य रूप से पहाड़ पर ही कुराँव खेती करने का अधिकार प्राप्त है। इसके वावजूद भी वन विभाग के द्वारा पहाडियों पर अत्याचार किया जा रहा है. इसके विरुद्ध में 15 को अमड़ापाड़ा वन कार्यालय का करेगा घेराव पहाड़िया समाज एवं हिलएसेम्बली पहाड़िया महासभा के द्वारा किया जायेगा.

एसपी ने मासिक अपराध गोष्टी में साइबर अपराध, मानव तस्करी, डायन प्रथा, एवं नशा पान जागरूकता अभियान

पाकुड़/झारखंड देखो। पुलिस अधीक्षक ने मासिक अपराध गोष्ठी का आयोजन किया गया। एसपी एचपी जनार्दनन ने बैठक में माह अगस्त में किये गए कार्यो की समीक्षा किया. समीक्षा के उपरांत सभी थाना/ओपी प्रभारी को आवशयक दिशा- निर्देश दिया. एसपी ने कहा की माननीय न्यायालय द्वारा कांड से संबन्धित मांगे गए प्रतिवेदन/विवरणी को प्राथमिकता के आधार पर ससमय समर्पित करने साथ ही माननीय न्यायालय द्वारा निर्गत निर्देशों का अक्षरशः पालन करने हेतु निर्देशित किया गया, लंबित कांडो में अनुशंधान की सभी कारवाई पुर्ण करते हुवे कांड का त्वरित निष्पादन करने, 3.लंबित वारंट/ कुर्की के निष्पादन करने, अवैध कोयला, बालु, पत्थर के परिवहन/भंडारण के विरुद्ध छापामारी अभियान चलाकर संलिप्त व्यक्तियों के विरूद्ध विधि समत कारवाई करने, लॉटरी/ अवैध नशीली पदार्थों के खरीद बिक्री में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने, अवैध पशु तस्करी में संलिप्त तस्करों के विरुद्ध कारवाई करने, स्कूल/ कॉलेज/ बाजार/ हाट में जागरूकता अभियान चलाकर साइबर अपराध, मानव तस्करी, डायन प्रथा, एवं नशा पान से होने वाले नुकसान के संबंध में लोगों को जागरूक करने तथा ग्रामीणों एवं पुलिस के बीच मधुर संबंध स्थापित करने हेतु निर्देशित किया गया. चोरी/ डकैती/ गृहभेदन जैसे अपराधो पर नियंत्रण रखने हेतु निर्देशित किया गया। चारित्र / पासपोर्ट सत्यापन हेतु अनावशयक आम जनता को परेशान नहीं करने एवं निर्धारित समयावधि के अंदर उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया। मौके पर मुख्यालय एसडीपीओ बैद्यनाथ प्रसाद, अजित कुमार विमल, नवनीत हेम्ब्रम, पुलिस इंस्पेक्टर सह नगर थाना मनोज कुमार, उमा शंकर प्रसाद, पुलिस इंस्पेक्टर सह अमड़ापाड़ा थाना प्रभारी गोपाल कृष्ण यादव, हिरणपुर थाना सुनील कुमार रवि, माल पहाड़ी ओपी थाना प्रभारी आशीष कुमार, लिट्टीपाड़ा थाना प्रभारी अरुणिमा बागे, महेशपुर थाना प्रभारी, पाकुडिया थाना प्रभारी सहित सभी थाना प्रभारी मौजूद थे.

जनता की समस्याओं का समाधान हो सबकी प्राथमिकता: उपायुक्त

पाकुड़/झारखंड देखो।

आम जनमानस के समस्याओं के समाधान और त्वरित निष्पादन को लेकर उपायुक्त मृत्युंजय कुमार बरणवाल के द्वारा समाहरणालय सभागार में जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दौरान जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने जनता दरबार में आकर अपनी समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा। इस दौरान उपायुक्त द्वारा वहां उपस्थित सभी लोगों से एक-एक कर उनकी समस्याएँ सुनी गयी एवं आश्वस्त किया गया कि संज्ञान में आए हुए सभी शिकायतों की जाँच कराते हुए जल्द से जल्द सभी का समाधान किया जाएगा। इसके अलावे जनता दरबार के दौरान जमीन से संबंधित, बैंक से संबंधित, सड़क दुर्घटना से संबंधित मामले एवं विभिन्न आवेदन शिकायत के रूप में आये, जो कि जिले के विभिन्न विभागों से संबंधित थे। ऐसे में जनता दरबार में सभी शिकायतकर्ता की समस्याएँ को सुनने के पश्चात उपायुक्त ने संबंधित

- **जिला अन्तर्गत लंबित शिकायतों का जल्द से जल्द करें समाधान: उपायुक्त**

विभाग के अधिकारियों को निदेशित किया गया कि सभी आवेदनों का भौतिक जांच करते हुए, उसका समाधान जल्द से जल्द करें। इसके अलावे उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एक सप्ताह के अंदर अपना प्रतिपुष्टि उपायुक्त कार्यालय को समर्पित करे, ताकि शिकायतों के निष्पादन में आसानी हो।

किसान गोष्ठी का किया गया आयोजन

पाकुड़/झारखंड देखो। मंगलवार को कृषि तकनीकी सूचना केंद्र महेशपुर प्रखंड परिसर में आत्मा पाकुड़ के द्वारा किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में किसानों को खरीफ फसल के प्रबंधन, कीट व्याधि से बचाव, रोग का नियंत्रण के बारे में सहायक तकनीकी प्रबंधक के द्वारा जानकारी दी गई। किसान क्रेडिट कार्ड भरने हेतु किसान मित्रों को फार्म सही तर-ीका से भरने का तरीका बताया गया। पीएम किसान योजना के तहत छूटे हुए किसानों का केवाईसी, लैंड सीडींग, आधार सीडींग करवाने के बारे में बताया गया। झारखंड कृषि ऋण माफी योजना अंतर्गत छूटे हुए किसानों का ई-केवाईसी करवाने एवं विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के बारे में किसानों को विस्तृत रूप से जानकारी दिया गया। प्रखंड के किसान से ड्रिप सिंचाई खेत में लगवाने पर जोर दिया गया। गोष्टी में शांतनु कुमार शील, अभिजीत कुमार शील, सहायक तकनीकी प्रबंधक, महेंद्र कुमार शील जनसेवक, महेंद्र सिंह जनसेवक, किसान मित्र, जनसेवक, प्रगतिशील किसान एवं अन्य किसान उपस्थित थे।

दो माह की राशन वितरण न करने को लेकर लाभुकों ने डीलर के विरुद्ध किया हंगाम

बीडीओ ने तुरन्त राशन वितरण का दिया निर्देश

हिरणपुर(पाकुड़)/झारखंड देखो।

दो माह की राशन वितरण न किये जाने को लेकर मंगलवार को घाघरजानि गांव के दर्जनों लाभुकों ने प्रखंड कार्यालय में आकर हंगामा किया। राशनकार्ड धारियों ने बीड-ीओ उमेश कुमार स्वांसी को लिखित शिकायत कर कार्रवाई की मांग किया। राशनकार्ड धारक भगत मुर्मू, मुकेश कुमार मण्डल, मंटू मण्डल, मदन हेम्ब्रम, अमीन हेम्ब्रम, दुर्गा हांसदा आदि ने बताया कि हम सभी लाभुक सुंदरपुर स्थित पीडीएस डीलर किशोर कुमार दत्ता के पास मंगलवार सुबह खाद्यान्न लेने पहुंचे तो एक माह की राशन देने की बात कही। जबकि बीते अगस्त व सितंबर माह की राशन हमे मिलना था। इस कारण हमलोगों ने राशन लेने से साफ इंकार कर दिया। आपूर्ति विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार घाघरजानि के लाभुकों को पूर्व में डीलर रंजीत मण्डल के द्वा-रा राशन वितरण किया जा रहा था। जिसे अनियमियता के कारण पूर्व में ही निलंबित किया जा चुका है। इसको लेकर विभाग द्वारा सम्बन्धित गांव को सुंदरपुर स्थित जनवितरण दुकान से जोड़ा गया है। पूर्व के डीलर के पास अगस्त माह तक कि करीब 46 क्विंटल चावल व गेंहू अवशेष बचा हुआ है। टैग किये गए डीलर किशोर दत्ता को अवशेष खाद्यान्न काटकर ही उपलब्ध कराया गया है। वही सितंबर माह की राशन भी डीलर को उपलब्ध करा दिया गया है। इस कारण अगस्त माह की राशन वितरण में व्यवधान आ रहा है। बीडीओ ने लाभुकों से वार्ता कर प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी रामकुमार साहा को निर्देश दिया कि लाभुकों के बीच दो माह की राशन वितरण कराया जाय। इस सम्बंध में बीडीओ ने बताया कि राशन वितरण में अनियमितता कि-सी भी हालात में बर्दास्त नही की जाएगी। लाभुकों के बीच पारदर्शी तरिके से राशन का वितरण करे।

आक्रोशित राशन कार्ड धारी ग्रामीणों ने सिमलोग धर्मपुर मुख्य सड़क को किया जाम

लिट्टीपाड़ा(पाकुड़)/झारखंड देखो।

प्रखंड के जोरडीहा गांव के सैकड़ो राशन कार्डधारी लाभुकों को पिछले दो महीने से राशन नही मिलने से आक्रोशित होकर मंगलवार को सिमलोंग घरमपुर मुख्य सड़क को जाम कर राशन उपलब्ध कराने की मांग किया. सड़क जाम सुबह 9 बजे से 11 बजे तक रहा.सड़क जाम का सूचना मिलते ही एमओ पद्म किशोर महतो जाम स्थल पर पहुंच लाभुकों को समझने का प्रयास किया. एमओ के एक सप्ताह के भीतर बकाया राशन का वितरण का आश्वासन के पश्चात लाभको ने लगभग दो घंटे बाद सड़क को जाम से मुक्त किया. सड़क जाम का नेतृत्व कर रहे जिसू टुडू सहित लाभुक सोना मुर्मू, हिरानी बास्की, मरांगमय हेम्ब्रम, संजली मरांडी, होपनमय बेसरा, संजली सौरेन, डेतमय मुर्मू ने बताया जोरडीहा के हरियाली स्वयं सहायता समुह के द्वारा कार्डधारी लाभुकों को पिछले दो माह अगस्त और सितंबर माह का चावल नही दिया गया है. जब भी लाभुक राशन डीलर के पास राशन की उठाव के लिए पहुंचता है तो स्वयं सहायता समूह के सदस्य द्वारा किसी बहाना बना कर लाभुकों को लौटा दिया जाता है. लाभुकों ने बताया पिछले डेढ़ महीनों से राशन की उठाव को लेक-र लाभुक घर का रोजमर्रा का काम छोड़ कर डीलर का घर का चक्कर काट रहे है . वावजूद समूह के द्वारा राशन का वितरण नही किया गया . इससे लाभुक परेशान हो चुके है. एमओ पद्म किशोर महतो ने बताया लाभको को अगस्त माह का राशन एक सप्ताह के भीतर वितरण करने का आश्वासन दिया गया है. साथ ही स्वयं सहायता समूह को सितंबर महीना का राशन तत्काल वितरण करने का निर्देश दिया गया है. उन्होंने बताया समूह द्वारा राशन वितरण में देरी का जांच कर उचित करवाई किया जाएगा.

केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री ने हरी झंडी दिखा ट्रेन 03309 न्यू गिरिडीह - रांची इंटरसिटी एक्सप्रेस को किया रवाना

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

गिरिडीह। आज का दिन गिरिडीह के लिए ऐतिहासिक रहा।आज गिरिडीह वासियों की चिर प्रतिक्षित मांग पूरी हुई। न्यू गिरिडीह से चलकर राजधानी रांची को जानेवाली इंटरसिटी एक्सप्रेस को केंद्रीय शिक्षा राज्यमंत्री अन्नपूर्णा देवी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।इस दौरान केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी के साथ डीआरएम कमल किशोर सिन्हा समेत अन्य गणमान्य लोगों ने ट्रेन के विस्टाडोम कोच में सफर का भी आनंद लिया। ट्रेन को हरी झंडी दिखाने के मौके पर लोगों की काफी भीड़ उमड़ी हुई थी।इस ट्रेन की सबसे बड़ी खासियत यह है कि ट्रेन में विस्डोम कोच की भी व्यवस्था की गई है। यह कोच पूरी तरह पारदर्शी है और इसमें बैठकर यात्री गिरिडीह से रांची तक बिखरे प्राकृतिक सौंदर्य को निहार सकेंगे।इधर इस ट्रेन की शुरुआत करने के बाद केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने भी विस्कोडोम कोच में अपने कार्यकर्ताओं के साथ सफर किया।इस दौरान उन्होंने इस सुनहरे पल को अपने कैमरे में कैद कर यादगार बना लिया।

मौके पर गांडेय विधानसभा क्षेत्र के विधायक डॉ सरफराज अहमद ने नई ट्रेन के विजटाडोम कोच के अंदर जाकर मूलभूत सुविधाओं का जायजा लिया।जिसके बाद विधायक सरफराज अहमद ने रेल विभाग से गिरिडीह से रांची को चलने वाली ट्रेन की समय में बदलाव करते हुए गिरिडीह के पचम्बा अंतर्गत सलैया रेलवे स्टेशन में ट्रेन के ठहराव होने की मांग की।साथ ही तत्काल जो कोयले की रेक न्यू गिरिडीह में लगती है इसकी स्थान्तरण करने की भी मांग की गई है।

उन्होंने कहा कि चूंकि कोयले के इम्पोर्ट एक्सपोर्ट के कारण यहां के आसपास में प्रदूषण का मामला आ रहा है जिससे ग्रामीण काफी प्रभावित हो रहे हैं।आगे विधायक ने रेलवे विभाग से महेशमुण्डा के अंडर बाईपास पर बरसात के दिनों में पानी जमा हो जाने की समस्याओं का निदान करने का भी आग्रह किया।

वहीं जमुआ विधायक केदार हाजरा, सदर विधायक सुदिव्य कुमार सोनू,गांडेय विधायक सरफराज अहमद, जिला परिषद अध्यक्ष मुनिया देवी और धनबाद डीआरएम कमल किशोर सिन्हा आदि मुख्य रूप से मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

डॉ. संजय कुमार सिन्हा को मिला राजभवन से दो माह का सेवा विस्तार

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय के वर्तमान रजिस्ट्रार डॉ. संजय कुमार सिन्हा को राजभवन से दो माह का सेवा विस्तार दे दिया गया है. इस बाबत राजभवन ने एक चिट्ठी विश्वविद्यालय को भेज दिया है. उक्त चिट्ठी के आलोक में विश्वविद्यालय ने 12 सितम्बर को अधिसूचना जारी कर दिया है. प्राप्त आदेश के अनुसार विश्वविद्यालय के वर्तमान रजिस्ट्रार डॉ. संजय कुमार सिन्हा को 7 सितम्बर से दो माह के लिए सेवा विस्तार दिया गया है. बताते चले डॉ. सिन्हा विश्वविद्यालय के बॉटनी विभाग के सह प्राध्यापक है और विगत दो वर्षों से विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार के पद पर कार्यरत हैं. इनसे पूर्व भी उन्हें राजभवन से 2 माह का सेवा विस्तार मिला था, जिसका कार्यकाल 6 सितम्बर को समाप्त हो रहा था और अब एक बार पुनः उन्हें दो माह का सेवा विस्तार दिया गया है.

तेज रफ्तार ट्रेलर के चपेट में आने से 19 वर्षीय युवक की मौत

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। जामा थाना क्षेत्र के दुमका भागलपुर मुख्य मार्ग पर लकड़दिवानी गांव के पास बीते सोमवार की रात एक तेज रफ्तार ट्रेलर के चपेट में आने से 19 वर्षीय युवक की मौत हो गई ।मृतक थाना क्षेत्र के लकड़दिवानी गांव का निवासी है। मृतक का नाम अरविंद हेम्ब्रम उम्र 19 वर्ष पिता रोसिलाल हेम्ब्रम है। परिजनों ने बताया कि वह रात में खाना खाने के बाद बाईक लेकर दोस्त के पास गया था और वापस लौट रहा था तभी पीछे से तेज गति से आ रही ट्रेलर ने टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार अरविंद बाइक के साथ टेलर के अंदर फंस गया।ट्रेलर युवक को घसीटता हुआ काफी दूर तक ले गया जिसमें युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गया।हादसे की जानकरी मिलते ही जामा थाना पुलिस ने गंभीर रूप से घायल युवक को फुलो झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल दुमका भर्ती करवाया,जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।इस घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क जाम कर दिया। करीब डेढ़ घंटे के बाद आक्रोशितों ग्रामीण को स्थानीय प्रशासन द्वारा समझाने बुझाने के बाद सड़क जाम हटाया गया।जामा थाना पुलिस द्वारा ट्रेलर को जब्त कर थाना लाया गया है।

डेंगू व मलेरिया के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए सिविल सोसायटी दुमका का शिष्टमंडल मिला कार्यपालक पदाधिकारी से

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। दुमका। नगर परिषद क्षेत्र में डेंगू, मलेरिया और ब्रेन मलेरिया से ग्रस्त मरीज की संख्या एकाएक बहुत हो गई हैं।शहर की साफ-सफाई और फोगिंग मशीन नियमित रूप से चलें तथा सभी स्ट्रीट लाइट की मरम्मती कराकर नया स्विच लगाया जाएं ताकि दिन में बिजली की बरबादी ना हो।इसको लेकर सिविल सोसायटी दुमका के अध्यक्ष राधेशयाम वर्मा, उपाध्यक्ष प्रेम केसरी और सचिव संदीप कुमार जय बमबम दुमका नगर परिषद कार्यालय में जाकर कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद,दुमका से मिले।उक्त शिष्टमंडल ने दुमका की समस्या से कार्यपालक पदाधिकारी को अवगत कराते हुए अविलम्ब दुमका नगर परिषद के सभी 22 वार्ड के लिए पुर्व में खरीदा गया फोगिंग मशीन नियमित रूप चलवाने के साथ साथ बिलीचिंग पाउडर,डीडीटी का छिड़काव भी अपने स्तर से करवाने का निवेदन किया।कार्यपालक पदाधिकारी ने शिष्टमंडल को आश्वस्त किया कि मेरा भी फोकस स्वच्छता पर पुरजोर हैं सभी के सहयोग से कार्य किया जा सकता हैं और नगर परिषद दुमका इसके लिए तैयार हैं।

46 लोगों ने ग्रहण की झामुमो की सदस्यता

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। दुमका। झारखंड मुक्ति मोर्चा की काठीकुंड प्रखंड इकाई के तत्वावधान मंगलवार को पंदनपहाड़ी पंचायत के झिलिमिली में झामुमो की पंचायत स्तरीय बैठक प्रखंड अध्यक्ष अब्दुल जब्बार की अध्यक्षता में आयोजित की गई। मौके पर 46 लोगों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए केंद्रीय समिति सदस्य आलोक सोरेन ने कहा कि झामुमो पार्टी हर वर्गों के लोगों के साथ हमेशा खड़ी रही हैं,और अपने कार्यकर्ताओं के मान,सम्मान व अभिमान का ख्याल रखती है।झामुमो राज्य के विकास के लिए राजनीति करती है,न कि विनाश के लिए.आपने वोट देकर हेमंत सरकार को चुना हैं,ये आपकी सरकार हैं.कहा कि सरकार द्वारा चलाई जा रही तमाम कल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूक होकर निश्चित रूप से इसका लाभ उठायें। कहा कि बैठक का मुख्य उद्देश्य पार्टी में नए कार्यकर्ताओं को जोड़ना है,ताकि पार्टी को ओर मजबूत किया जा सके तथा सभी क्षेत्रों में सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंच सके।इस मौके पर जोन सोरेन, सिमोन टुडू,कलीम अंसारी,जियालाल भगत,अक्सर अंसारी,सलीम अंसारी,रजनीश कुमार,दूरबीन किस्कु,बाल किशोर बास्की,यूसुफ अंसारी,नोबो मंडल,धुरुब दास, अनिल मुर्मू,डेविड टुडू,इम्तियाज अंसारी,रज्जाक अंसारी,अश्फाक अंसारी व अन्य के साथ सैकड़ो लोग मौजूद थे।

केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा गिरिडीह-रांची इंटरसिटी ट्रेन में बैठ पहुंची कोडरमा

गिरिडीह/झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

झारखंड को पहली बार मंगलवार 12 सितंबर को विस्टाडोम कोच वाली ट्रेन की सौगात मिली है।इस न्यू गिरिडीह रांची इंटरसिटी एक्सप्रेस में एक विस्टाडोम कोच लगाया गया है,जो आकर्षण का केंद्र है।इस कोच के शीशे पूरी तरह से पारदर्शी हैं और छत भी खुले शीशे के हैं। इस इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन में यात्रा करने वाले यात्री विस्टाडोम कोच में बैठ कर कोडरमा के तिलैया डैम और हजारीबाग की प्राकृतिक मनोरम वादियों का भरपूर आनंद उठा सकेंगे।

अब आपको बता दें कि आखिर विस्टाडोम होता क्या है। आपने फिल्मों में विदेशों के कई ऐसे शीन देखे होंगे।जिसमें ऐसी ट्रेने दिखाई जाती हैं।जिसमें लगने वाला विस्टाडोम कोच एक तरह का टूरिस्ट कोच होता है, जिसे पर्यटन को ध्यान में रखकर लगाया जाता है।इस कोच में सीटें 90 डिग्री के कोण

तक खिड़की की तरफ पूरी तरह से घूम सकती हैं।इसके अलावा बाहर देखने के लिए इनकी खिड़कियां आकार की बड़ी होती हैं, जिनमें कांच लगे होते हैं।इसके अलावा छत पर भी पारदर्शी शीशे लगे होते हैं, जिससे यात्रा के दौरान प्राकृतिक सौंदर्य को निहारने में पर्यटकों को आसानी हो। इसमें सफर करते वक्त यात्री को साइड के साथ-साथ ऊपर की तरफ का मनोरम दृश्य भी देखने को मिलता है।

यहां आप को यह भी बता दूं कि इस ट्रेन का मंगलवार को उद्घाटन हरी झंडी दिखाकर केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने गिरिडीह में किया।जिसके बाद उसी ट्रेन में बैठकर वे कोडरमा पहुंची।अब गिरिडीह वासियों के लिए राजधानी की सफर आरामदायक,आसन और मजेदार हो जाएगी।यह ट्रेन बुधवार 13 सितंबर से प्रतिदिन अपने निर्धारित समय पर चला करेगी।

मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने किया गारमेंट फैक्ट्री परियोजना का उद्घाटन

राज्य के युवाओं एवं युवतियों को प्रवासी होने से बचने के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे है कई कार्यः मंत्री

रामगढ़/झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

प्रखंड कार्यालय रामगढ़ के समीप डीएमएफटी के तहत संचालित गारमेंट फैक्ट्री परियोजना का उद्घाटन मंत्री श्रम नियोजन प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग झारखंड सरकार सत्यानंद भोक्ता के द्वारा किया गया।सर्वप्रथम उपायुक्त रामगढ़ चंदन कुमार के द्वारा मंत्री को एवं जिला नियोजन पदाधिकारी देव प्रसाद के द्वारा विधायक सुनीता चौधरी को पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया।मौजूद अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की।साथ ही सभी के द्वारा पर्दा हटाकर गारमेंट फैक्ट्री एवं प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन किया

गया।मौके पर मंत्री ने कहा कि राज्य के सभी युवाओं एवं युवतियों को रोजगार से जोड़ना ही सरकार की प्राथमिकता है जिसके लिए सरकार द्वारा कई योजनाएं चलाकर युवाओं एवं युवतियों को रोजगार के साधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं।साथ ही श्रम नियोजन प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग द्वारा युवा एवं युवतियों को प्रशिक्षित करते हुए उन्हें रोजगार से जोड़ा जा रहा है तथा उन्हें प्रवासी होने से रोका जा रहा है। इस परियोजना के तहत 300 महिलाएं/युवतियां प्रशिक्षित की जाएंगी एवं एक गारमेंट उत्पादन इकाई स्थापित किया जाएगा जिससे की आर्थिक विकास को प्रोत्साहित एवं समाज को उदाहरण की दिशा में बदला जा सके।कार्यक्रम के दौरान उप विकास आयुक्त रोबिन टोप्पो, जिला योजना पदाधिकारी समीर कुल्लू, श्रम अधीक्षक अभिषेक कुमार सहित अन्य उपस्थित थे।

ग्राम पंचायत स्तर पर दिखी डिजिटल-इंडिया की ताकत, मुरुप में जल मीनार की हुई मरम्मती

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

सरायकेला। सरायकेला प्रखंड के अन्तर्गत ₹पेयजल एवं स्वच्छता विभाग₹ द्वारा चलाई जा रही जन जल मिशन के तहत मुरुप गाँव के महतो टोला निवासी हेमसागर प्रधान के घर के सामने अवस्थित खराब पड़ी लघु सोलर जल मीनार की मरम्मत कराई गई, जो पिछले कई दिनों से खराब पड़ी थी, जिसकी सुधि लेने वाला कोई नहीं था, तब इसकी शिकायत मुरुप के ग्रामीणों ने डिजिटल इंडियन का परिचय देते हुए ऑनलाइन ₹झार जल पोर्टल ₹ पर कर दी थी। शिकायत का निष्पादन मंगलवार को हुआ। सोलर जल मीनार की मरम्मती से लोगों में जो पेय जल की समस्या थी , उसका समाधान हो गया। मौके पर मुरुप पंचायत के प्रभारी मुखिया तपास कुमार महतो, हेमसागर प्रधान, विकास प्रमाणिक, संतोष महतो आदि उपस्थित थे।

उपायुक्त ने निर्वाचन कार्यालय स्थित वेयर हाउस का किया निरीक्षण

- ईवीएम के रख-रखाव एवं सीसीटीवी सहित अन्य सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की

चतरा। उपायुक्त अबु इमरान ने आज निर्वाचन कार्यालय के वेयर हाउस का निरीक्षण किया. निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित मानकों के आधार पर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में वेयर हाउस को खुलवाया तथा सुरक्षा व्यवस्था, ईवीएम के रख-रखाव सहित अन्य का निरीक्षण किया. उपायुक्त ने सीसीटीवी व अन्य सुरक्षा उपायों की जांच की. जांच में सीसीटीवी व अन्य सक्रिय मिले।

इस दौरान मौके पर उप निर्वाचन पदाधिकारी संतोष गुप्ता, भवन प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता, अग्निशमन पदाधिकारी एवं अन्य कार्यालय कर्मी सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित थे.

प्रखंड स्तरीय विभागीय समीक्षा बैठक हुआ आयोजित

साहिबगंज। प्रखंड सभागार मंडरो में जिला परिषद् अध्यक्ष मोनिका किस्कू द्वारा प्रखंड स्तरीय विभागीय समीक्षा बैठक की गई।उक्त बैठक में सर्वप्रथम बाल विकास परियोजना विभाग की समीक्षा की गई जिसमें महिला पर्यवेक्षिका से अंगनबाड़ी केंद्रो के संबंध में जानकारी ली गई।इसी विषय में ज़िला परिषद अध्यक्ष द्वारा निदेश दिया गया कि आंगनबाड़ी केंद्रो के निरीक्षण संबंधि प्रतिवदेन बाल विकास परियोजना पदाधि कारी के माध्यम से जिला परिषद् कार्यालय में भेजना सुनिश्चित करें।वहीं शिक्षा विभागअंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रम की जानकारी तथा पोषाक, मध्यान भोजन, छात्रवृति के वारे विस्तृत जानकारी ली गई। शिक्षा विभाग के उपस्थित प्रतिनिधि के द्वारा बताया गया कि सभी स्कूलों के छात्रों को पोषाक की राशि उनके बैंक खाते में भेजा गया । इसके अलावे सभी स्कूलों में पेयजल उपलब्धता के बारे में भी जानकारी ली गयी।उपस्थित बी0 आर0 पी0 द्वारा बताया गया कि 12 विद्यालयों पेयजल की व्यवस्था नहीं है।सूची उप लब्ध कराने का निदेश दिया गया।इस बीच कल्याण प्रखंड कल्याण पदाधिकारी को निदेश दिया गया कि कल्याण विभाग द्वारा चालाये जा रहे 05 योजनाओं का जांच प्रतिवेदन 05 दिनों के अंदर जिला परिषद् कार्यालय को भेजना सुनिश्चित करें।बैठक के द्वारा प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी से प्राप्त शिकायत एवं इसकी निवारण के लिए की गई कार्यवाही की समीक्षा भी की गई।जहां बताया गया कि शिकायत प्राप्त होने पर जांच की जाती है। अपने कार्य काल में दो डीलरों का शिकायत सही पाने के एवज में निलंबित भी किया गया है।इसी विषय में आगे जिला परिषद के अध्यक्ष द्वारा कहा गया कि निकट भवषिय में सभी पंचायतों के 10-10 लाभुकों से स्वयं बातचीत करेंगे।इसी क्रम में चिकित्सा प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी से उनके विभाग की समीक्षा की गई । चिकित्सा पदाधिकारी द्वारा स्वास्थय विभाग के सभी बिन्दुओं पर विस्तार से बताया गया।बैठक के दौरान मनरेगा आवास एवं पेंशन अदि योजनाओं के संबंध में समीक्षा की गई। महोदया द्वारा बी0 पी0 एम0, जे0 एस0 एल0 पी0 एस0 के सभी ग्रामों स्वंय सहायता समूह के अच्छादन संबधी जानकारी ली गई।इसके अलावा बैठक के दौरान प्रखंड में चल रहे बार्ड सदस्यों (तेतरिया सिमड़ा एवं खैरवा) के तीन दिवसीय प्रशिक्षण में महोदया शामिल हुई। सभी बार्ड सदस्यों के प्रशिक्षण संबंधी आवश्यक व्यवस्था की जानकारी भी ली तथा उनसे इस प्रशिक्षण का अधिक से अधिक लाभ उठाकर अपने ग्रामों के सभी योजनाओं से अच्छादित कराने का अनुरोध किया।उक्त बैठक में धनंजय सोरेन जिला परिषद् सदस्य, शिला गुप्ता, उप प्रमुख,श्रीमती कनक प्रखंड विकास पदाधिकारी मंडरो, नरेश कुमार मुंडा, अंचल अधिकारी सह बाल विकास परियोजना पदाधिकारी,डॉ सलखु हांसदा,चिकित्सा पदाधिका री प्रखंड समन्वयक आवास, बीपीओ मनरेगा, बीपीएम जेएसएलपीएस, बीआरपी, शिक्षा विभाग, बीपीआरओ, कनीय अभियंता, पेयजल, मनरेगा, 15वें वित्त, सहायक अभियंता मनरेगा, प्रखंड कल्याण प्रखंड कृषि, महिला पर्यवेक्षिका, मंडरो एवं प्रखंड स्तरीय विभाग के अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

यात्री बस के चपेट में आने से दो बाइक सवार युवकों की मौत

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। जामा थाना क्षेत्र के दुमका जामताड़ा मुख्य मार्ग से कमार दुधानी लकड़जोरिया बायपास मार्ग पर आमझर गांव के पास मंगलवार को यात्री बस के चपेट में आने से दो बाइक सवार युवकों की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार यात्री बस की टक्कर में दोनो बाईक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गए थे. जिन्हें स्थानीय ग्रामीणों और पुलिस की मदद से फुलो झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल दुमका भेजवाया गया। जहां डॉक्टरों ने

दोनो युवकों शिवकुमार सोरेन उम्र 20 वर्ष तथा राजेश हेम्ब्रम उम्र 22 वर्ष को मृत घोषित कर दिया।मिली जानकारी के अनुसार बाइक सवार युवक शिव कुमार सोरेन लेदापेसा गांव एवं राजेश हेम्ब्रम भूटोकोड़िया गांव का रहने वाला बताया जा रहा है.दोनों दुमका से अपने घर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान अमझार गांव के तीखा मोड़ के पास धनबाद से आ रही चांदनी बस के चपेट में आ गए, जिसमे दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए।आनन फानन में दोनों को फुलो झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया जहाँ डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। जामा थाना प्रभारी उत्तम कुमार पासवान ने बताया कि बस को जब्त कर लिया गया है।

कल्याणकारी योजनाओं को लेकर बीडीओ ने किया ग्रामीणों से सम्पर्क

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमकाःउपायुक्त के निदेशानुसार सदर प्रखण्ड अन्तर्गत केशियाबहाल पंचायत के केशियाबहाल, बास्कीचक और जामदली गॉव में क्रियान्वित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, दुमका द्वारा ग्रामीणों से सम्पर्क किया गया। ग्रामीणों को मनरेगा अन्तर्गत चल रहे विभिन्न योजनाएं जैसे- बिरसा हरित ग्राम योजना, बिरसा सिंचाई कूप योजना, पोटो हो खेल योजना, दीदीबाड़ी योजना आदि के विषय में विस्तृत जानकारी दिया गया। इस दौरान कई ग्रामीण महिलाओं

ने दीदी बाड़ी योजना के लिए 10 आवेदन दिए । दो-तीन लाभुको ने पेंशन की राशि प्राप्त नहीं होने संबंधी जानकारी दिया, जिसके लिए उन्हें बैंक खातों को e-Kyc कराते हुए आवेदन देने के लिए कहा गया। इस दौरान उपस्थित पंचायत सचिव और रोजगार सेवक को ग्रामीणों को अधिक से अधिक मनरेगा के योजनाओं से जोड़ने के लिए जनसम्पर्क अभियान चलाने का निदेश दिया गया। साथ ही सामाजिक सुरक्षा अन्तर्गत पेंशन के योग्य लाभुक यदि है तो उनका आवेदन अविलम्ब कार्यालय को उपलब्ध कराये ।निरीक्षण के दौरान प्रखण्ड कार्यक्रम पदाधिकारी मनरेगा, पंचायत सचिव, रोजगार सेवक, पंचायत स्वंयसेवक, पूर्व मुखिया सहित कई अन्य ग्रामीण उपस्थित थे ।

दक्षिणी छोटानागपुर क्षेत्र के 150 अपराधियों के खिलाफ हो रही कार्रवाई : डीआईजी

रांची। राज्य के डीआईजी अनूप बिरथरे ने कहा कि संगठित अपराधियों और कुख्यात अपराधियों के खिलाफ विस्तृत कार्य योजना के तहत कार्रवाई की जा रही है। संगठित और कुख्यात अपराधियों के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। साथ ही संगठित और शातिर अपराधियों के खिलाफ तीन तरह की सूची बनायी गयी है। इनमें संगठित अपराधियों, 10 से अधिक मामले और पांच से अधिक दर्ज मामले के अपराधियों की सूची शामिल हैं।

डीआईजी रांची स्थित कार्यालय में मंगलवार शाम संवाददाता सम्मेलन में बोल रहे थे। उन्होंने बताया कि दक्षिणी छोटानागपुर क्षेत्र के रांची जिले में 107, गुमला जिला में 80, लोहरदगा जिला में 25, सिमडेगा जिला में 38 और खूंटी जिला में सात अपराधियों कुल 150 अपराधियों को चिह्नित कर उनके विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है। साथ ही कार्रवाई की लगातार समीक्षा की जा रही है। अपराधियों के खिलाफ जमानत रद्द किये जाने संबंधी कार्रवाई हुई है। इनमें रांची में 12, गुमला में पांच, लोहरदगा में छह, सिमडेगा में छह, खूंटी में चार शामिल है। कुल 33 अपराधियों का जमानत रद्द करने के लिए प्रस्ताव न्यायालय में समर्पित किया जा रहा

है।

डीआईजी ने बताया कि सीसीए के तहत रांची में 32, गुमला में एक, सिमडेगा में 10, खूंटी में 12 कुल 45 अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की गयी है। सीसीए के तहत निरोधात्मक, जिलाबदर एवं थाना हाजरी की भी कार्रवाई की गयी है। उन्होंने बताया कि महत्वपूर्ण कांडों में अपराधियों के जो जमानतदार हैं, उनके खिलाफ शिकायतें पायी गयी हैं कि कुछ फर्जी जमानतदारों का उपयोग जमानत प्राप्त करने में किया गया है। साथ ही गलत दस्तावेज का उपयोग जमानत प्राप्त करने में किया गया है।

इनमें रांची जिले में 98, गुमला में 16, लोहरदगा में 14, सिमडेगा में 59, खूंटी में 32 कुल 121 अपराधियों के जमानतदारों का सत्यापन भौतिक रूप से किया गया है। इस दौरान कई जमानतदार फर्जी पाये गये हैं तथा कुछ जमानतदारों की ओर से इस बात से इनकार किया गया है कि उन्होंने जमानत दी है।

इनके आधार नंबर का गलत उपयोग किया गया है। ऐसे अपराधियों को चिह्नित कर जमानत रद्द करने की कार्रवाई की जा रही है।

डीआईजी ने बताया कि जिन मोबाईल नंबरों से विभिन्न संगठनों के नाम से और अपराधियों के नाम से व्यापारियों एवं अन्य व्यक्तियों से रंगदारी की धमकी दी गयी है। ऐसे नंबरों को चिह्नित किया गया है। इस संबंध में चान्हो थाना में दो कांड दर्ज किया गया है। अन्य जिलों के पुलिस अधीक्षक को भी ऐसे नंबरों को चिह्नित करने एवं उन नंबरों के धारकों के सत्यापन कर कार्रवाई के लिए निर्देश दिये गये हैं। इन मामलों में रिटेलर मोबाईल दुकानदार जिनके यहां से फर्जी सिम जारी किये गये हैं उनके विरुद्ध भी कार्रवाई की जाएगी।

बाबूलाल मरांडी ने निजी सलाहकार की जानमाल की सुरक्षा के लिए डीजीपी को लिखा पत्र

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने निजी सलाहकार सुनील तिवारी और उनके परिवार की जानमाल की सुरक्षा के लिए डीजीपी अजय कुमार सिंह को मंगलवार को एक पत्र लिखा है। इसमें कहा है कि सुनील तिवारी पर खतरा एवं राजनैतिक दुर्भावनापूर्ण बदले की कार्रवाई की आशंका है। उन्होंने अभी हाल में मोबाइल पर बातचीत में इस संबंध में डीजीपी को जानकारी दी थी।

सुनील तिवारी द्वारा 11 सितंबर को मुख्य सचिव को किए गये मेल का जिक्र करते बाबूलाल ने कहा कि विषयवस्तु गंभीर है। हाल के कई ऐसे मामलों के उदाहरण सामने हैं, जिसमें पुलिस को खतरे की आशंका की लिखित सूचना के बाद भी कुछ नहीं किया गया। प्रभावित व्यक्ति की हत्या हो गई। डीजीपी से अनुरोध करते कहा कि सुनील तिवारी के मामले में गंभीरता से संज्ञान लें। उनके और उनके परिवार की जानमाल की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ ही राजनैतिक बदले की भावना से पुलिस कोई पीड़क कार्रवाई नहीं करे, इसका ख्याल रखें।

बाबूलाल के मुताबिक साहिबगंज खनन घोटाला के खिलाफ एफआईआर के लिए थाने में लिखकर देने वाले अनुरंजन अशोक को भी पांच दिन पहले मोबाइल पर जान से मारने की धमकी देने और अनुरंजन के डोरंडा थाना में शिकायत करने की खबर अखबारों में देखने को मिली है। डीजीपी पुलिस के मुखिया हैं। नियमानुसार उनकी यह जिम्मेदारी है कि राज्य में अमन चैन कायम रहे। पुलिस कानून के आधार पर काम करे। सत्ता पोषित या कोई दूसरे गुंडे-मवाली राज्य में उत्पात नहीं मचाए। राजनैतिक द्वेष से किसी के खिलाफ पुलिस कोई फर्जी पीड़क कार्रवाई न करे। यही वजह है कि उच्च न्यायालय को पुलिस की पूर्वाग्रह पूर्ण कार्यशैली के चलते ऐसे कई मामले जांच के लिए सीबीआई के हवाले करना पड़ा।

हाई कोर्ट ने धरनारत विस्थापितों से मारपीट के मामले में दायर याचिका को किया निष्पादित

रांची। झारखंड हाई कोर्ट में मंगलवार को तापीन साउथ प्रोजेक्ट सीसीएल, चरही, हजारीबाग के विस्थापितों के धरने के दौरान उनसे मारपीट की घटना की निष्पक्ष जांच करने का आग्रह करने वाली शक्ति देवी एवं अन्य की क्रिमिनल रिट की सुनवाई हुई। जस्टिस एसके द्विवेदी की कोर्ट ने मामले में राज्य सरकार का पक्ष सुनने के बाद याचिका को निष्पादित कर दिया।

कोर्ट ने याचिकाकर्ता को छूट दी कि वह मामले में दर्ज अनुसंधान में अपनी बात रख सकता है। राज्य सरकार की ओर से बताया गया कि इस मामले में दर्ज प्राथमिकी का अनुसंधान अभी चल रहा है। फाइनल फॉर्म अभी अदालत में दाखिल नहीं किया गया है। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता पांडे नीरज राय, रोहित

रंजन सिन्हा, अभिषेक अग्रवाल ने पैरवी की।तापीन साउथ प्रोजेक्ट सीसीएल के विस्थापित अपनी मांगों को लेकर 22 अगस्त, 2022 से विस्थापित/प्रभावित संघर्ष मोर्चा के बैनर तले धरना दे रहे थे। धरना के 187 दिन 20 फरवरी को असामाजिक तत्वों ने धरना कर कर रहे हैं लोगों के साथ मारपीट की लेकिन पुलिस ने धरना दे रहे विस्थापितों के खिलाफ ही तीन प्राथमिक की दर्ज कर ली। पुलिस ने धरनारत 43 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया था।विस्थापितों का कहना था कि जिन असामाजिक तत्वों ने उन्हें पीटा है उनके खिलाफ पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की जबकि शांतिपूर्ण ढंग से धरना दे रहे लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। इस मारपीट की घटना में सीसीएल के अधिकारी एवं पुलिस प्रशासन की संलिप्तता थी। इसलिए 20 फरवरी को विस्थापितों के साथ मारपीट की घटना की निष्पक्ष जांच कराई जाये।

झाप्रसे के सेवानिवृत अधिकारी मुंकुद दास पर होगी विभागीय कार्रवाई

रांची, । झारखंड प्रशासनिक सेवा से सेवानिवृत पदाधिकारी मुंकुद दास पर विभागीय कार्रवाई होगी। मुंकुद दास को 15 दिनों में अपना बचाव बयान समर्पित करने को कहा गया है। जांच के बाद अग्रतर कार्रवाई होगी। उनपर प्रखंड विकास पदाधिकारी गुमला के पद पर रहते हुए कई गंभीर आरोप लगे थे। इस संबंध में कार्मिक विभाग ने मंगलवार को अधिसूचना जारी की है।

मनरेगा अंतर्गत मुख्य प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी के दायित्वों का निर्वहन नहीं करने, मनरेगा कानून का उल्लंघन करने, प्रखंड अंतर्गत क्रियान्वित पौधरोपण एवं अन्य प्रकार की योजनाओं का सही ढंग से निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण नहीं करने एवं सरकारी राशि के गबन, दुरुपयोग से स्वयं सेवी संस्थाओं को सहयोग करने संबंधी आरोप हैं।

ग्रामीण विकास विभाग ने 2017 में ही उनके ऊपर कार्रवाई की अनुशंसा की थी। इसके बाद कार्मिक विभाग ने इसकी जांच कराई, जिसमें प्रथम दृष्टया आरोप प्रमाणित पाये गये हैं। पूरे मामले की तह तक जाने के लिए रिटायर आईएएस रमाकांत सिंह को विभागीय जांच पदाधिकारी नियुक्त किया गया है। डीआरडीए निदेशक गुमला को उपस्थापन पदाधिकारी नियुक्त किया गया है।

झारखंड में डेंगू के 302 संदिग्ध मरीज मिले, 30 में पुष्टि

रांची। राज्य में डेंगू-चिकनगुनिया पांव पसार रहा है। सोमवार तक राज्य भर में डेंगू के 302 संदिग्ध मरीज मिले हैं। इनमें 294 लोगों ने अपना जांच करवाया है, जिसमें 30 लोगों में डेंगू की पुष्टि हुई है। वहीं पूर्वी सिंहभूम में डेंगू के 109 संदिग्ध मरीज मिले हैं। इनमें आठ मरीजों में डेंगू की पुष्टि हुई है। जबकि दुमका में 21 संदिग्ध मरीज मिले हैं। सभी मरीजों ने डेंगू जांच के लिए अपना सैंपल दिया है। रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है।

वहीं रांची में 95 संदिग्ध मरीज मिले हैं। इनमें 11 में डेंगू की पुष्टि हुई है। जबकि सरायकेला में 20 और साहिबगंज में 12 डेंगू के संदिग्ध मरीज मिले हैं। रामगढ़ में डेंगू के पांच संदिग्ध मरीज मिले हैं। जांच के बाद सभी में डेंगू की पुष्टि हुई है। हजारीबाग में 13, दुमका में 21, देवघर में सात, धनबाद में 12, गढ़वा में तीन, कोडरमा में दो, पलामू में दो डेंगू के संदिग्ध मरीज मिले हैं।

वहीं राज्य भर में चिकनगुनिया के 240 संदिग्ध मरीज मिले हैं। इनमें 140 मरीज ने अपना जांच करवाया। जिसमें 20 मरीज चिकनगुनिया पॉजिटिव पाए गए हैं। इनमें रांची में 95 मरीज चिकनगुनिया के संदिग्ध हैं। सभी की जांच कराए जाने के बाद 20 मरीजों में चिकनगुनिया की पुष्टि हुई है।

निलंबित आईएएस पूजा सिंघल से जुड़े मामले में अक्षत कटियार का बयान दर्ज

रांची। निलंबित आईएएस पूजा सिंघल से जुड़े अवैध खनन और मनी लॉन्ड्रिंग केस में ईडी की ओर से गवाह का बयान मंगलवार को कोर्ट में दर्ज कराया गया। ईडी के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की अदालत में ईडी की ओर से अक्षत कटियार ने अपना बयान दर्ज कराया। अदालत ने मामले में सुनवाई की अगली तिथि 22 सितम्बर निर्धारित की है। सुनवाई के दौरान पूजा सिंघल भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अदालत के समक्ष उपस्थित थीं।

अक्षत उस कंस्ट्रक्शन कंपनी का संचालक है, जिसने पूजा सिंघल और उनके पति के जरिये चलाए जा रहे पल्स अस्पताल की बिल्डिंग का निर्माण कार्य किया

है। अक्षत ने अपने बयान में कोर्ट को बताया कि बिल्डिंग निर्माण के लिए उन्हें सभी पैसों का भुगतान नकदी और चेक के माध्यम से किया गया है।

अलग-अलग समय पर पूजा सिंघल और उनके पति अभिषेक झा उन्हें चेक और नकद राशि दिया करते थे। ईडी की ओर से बयान दर्ज होने के बाद अब बचाव पक्ष गवाह का क्रॉस एग्जामिनेशन करेगा।

सार-संक्षेप

ईडी का गवाह विजय हांसदा कोर्ट में बयान से मुकरा

रांची। अवैध खनन से जुड़े मनी लांड्रिंग के केस में ईडी का गवाह विजय हांसदा कोर्ट में बयान से मुकर गया। ईडी के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की अदालत में मंगलवार को उसका बयान दर्ज करवाया गया। उसका बयान बुधवार को भी दर्ज करवाया जाएगा।

वह मंगलवार को कोर्ट में दिए अपने बयान में ईडी के समक्ष दिए बयान से मुकर गया। सुनवाई के दौरान इस केस का आरोपित बच्चू यादव भी कोर्ट में उपस्थित था। बच्चू यादव की ओर से अधिवक्ता अनिल कुमार और सुधीर प्रसाद कोर्ट में मौजूद थे। ईडी की ओर से विशेष लोक अभियोजक आतिश कुमार ने पक्ष रखा।

बच्चू यादव को पिछले दिनों ही अवैध खनन से जुड़े मनी लांड्रिंग केस में बेल मिली है। विजय हांसदा ने अपने आंशिक बयान में इस बात से इंकार किया है कि साहिबगंज में अवैध खनन उन्होंने की है और उन्हें किसी तरह की धमकी मिली है। पंकज मिश्रा, प्रेम प्रकाश, दाहू यादव और उसके पिता पशुपति नाथ भी इस केस में आरोपित हैं।

रांची में एंटी क्राइम चेकिंग के दौरान हथियार के साथ बदमाश गिरफ्तार

रांची। मेसरा ओपी पुलिस ने एंटी क्राइम चेकिंग के दौरान नेवरी विकास रिंग रोड से पुलिस ने एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। आरोपित का नाम दीपक कुमार उर्फ दीपक कुमार गंझु बताया गया है। वह रामगढ़ का रहने वाला है। इसके पास से एक बाइक, एक देशी पिस्टल, चार गोली और दो मोबाइल फोन बरामद किया गया है। सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने मंगलवार को संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी दी।

चैंबर चुनाव के लिए किशोर मंत्री समेत 14 सदस्यों ने किया नामांकन

रांची। फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स चुनाव के लिए मंगलवार को नामांकन का दूसरा दिन रहा। किशोर मंत्री समेत 14 सदस्यों ने नामांकन किया। इसमें चुनाव कमेटी के चेयरमैन पवन शर्मा ने भी नामांकन किया। चैंबर चुनाव के लिए 13 सितंबर तक नामांकन दाखिल किया जायेगा। नाम वापसी की अंतिम तिथि 14 सितंबर को संध्या चार बजे तक निर्धारित है।

इस बार चैंबर चुनाव में कई सदस्यों ने अध्यक्ष पद की दावेदारी की है, जिसमें राहुल मारू, डॉ अभिषेक रमाधीन समेत अन्य सदस्यों के नाम हैं। ऐसे में देखना होगा कि चुनाव में किसका पलड़ा भारी रहता है। पिछले साल चुनाव में राहुल मारू और किशोर मंत्री के बीच टक्कर हुई थी।

चैंबर चुनाव सत्र 2023-24 का चुनाव 23 और 24 सितंबर को होगा। 24 सितंबर को बिरसा मुंडा फुटबाल स्टेडियम, मोरहाबादी मैदान में मतगणना होगी। वर्तमान में चैंबर की सदस्यता संख्या 3798 है, जिसमें कुल 3534 आजीवन सदस्य, 169 जनरल मेंबर, 83 सम्बद्ध संस्था, दो पैट्रोन और दस कॉरपोरेट सदस्य हैं। सम्बद्ध संस्थाओं को दो वोट का अधिकार है।

रांची के चार थाना प्रभारियों से मांगा गया स्पष्टीकरण

रांची। वाहन चेकिंग में लापरवाही बरतने के कारण मंगलवार को चार थाना प्रभारियों से स्पष्टीकरण मांगा गया है। इनमें सुखदेव नगर, लालपुर, चुटिया और अरगोड़ा थाना प्रभारी शामिल है।

एसएसपी चंदन कुमार सिंह ने दो पहिया वाहन की सघन जांच सुबह 5:30 से 7:30 तक करने का निर्देश दिया था। जांच फिराया लाल चौक, सुजाता चौक, अरगोड़ा चौक,न्यू मार्केट चौक एवं लालपुर चौक पर करने को कहा गया था। वाहन चेकिंग के स्थिति की जांच करने के लिए स्वयं एसएसपी चन्दन कुमार सिन्हा बाइक पर सादे लिबास में निकले। एसएसपी ने पाया कि फिराया लाल चौक पर जांच कड़ाई से की जा रही थी, लेकिन अन्य स्थानों पर जांच में काफी लापरवाही बरती जा रही थी।

साथ ही फिराया लाल चौक पर अच्छी तरह से वाहन चेकिंग का कार्य संपादित कर रही टीम को पुरस्कृत करने का आदेश दिया गया है।

प्रेम प्रकाश की बेल पर 14 को होगी सुनवाई

रांची। जमीन घोटाले मामले के आरोपित प्रेम प्रकाश की ओर से मंगलवार को जमानत याचिका दाखिल की है। इसपर रांची प्रीवेन्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट की स्पेशल कोर्ट ने सुनवाई के लिए 14 सितम्बर की तिथि निर्धारित की है। इसके अलावा प्रेम प्रकाश अवैध खनन के जरिए मनी लॉन्ड्रिंग करने के केस में भी आरोपित हैं और लैंड स्कैम में भी ईडी ने उसे आरोपित बनाते हुए आरोप पत्र दाखिल किया है।

ईस्टर्न रीजनल पुलिस कोऑर्डिनेशन कमेटी की बैठक 15 को

रांची। झारखंड पुलिस मुख्यालय में ईस्टर्न रीजनल पुलिस कोऑर्डिनेशन कमेटी की बैठक 15 सितम्बर को आयोजित की जाएगी। इसमें नारकोटिक्स, नक्सल, साइबर और तस्करी जैसे मामलों पर आपसी सहयोग को बढ़ाने की रणनीति पर चर्चा की जाएगी। बैठक में झारखंड के अलावा बिहार, बंगाल, ओडिशा और छतीसगढ़ के वरीय पुलिस अधिकारी शामिल होंगे।

बैठक की अध्यक्षता झारखंड पुलिस के डीजीपी अजय कुमार सिंह करेंगे। बैठक में दूसरे राज्यों के आईजी स्तर के अधिकारी मौजूद रहेंगे, जबकि दूसरे राज्यों के डीजीपी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये जुड़ेंगे।

रांची में दो दिन से लापता युवक का शव मिला

रांची। पुलिस ने मेसरा ओपी क्षेत्र के केदल पंचायत से लापता युवक शव मंगलवार को एक कुएं से बरामद किया। युवक की शिनाख्त केदल पंचायत के रहने वाले दीपक कुमार महतो के रूप में हुई है। वह पिछले चार दिनों से लापता था।

रांची के लोअर चुटिया में दिखेंगे 'महादेव के अनेकों रूप'

रांची, । नवयुवक संघ दुर्गा पूजा समिति, लोअर चुटिया में इस वर्ष मां भगवती का दरबार पूजा पंडाल एक नए थीम के साथ आ रहा है। इस थीम का नाम है ह्लमहादेवह्व है। इस पूजा पंडाल में देवाधिदेव महादेव की अनेकों रूप दिखाई पड़ेंगे। पंडाल के मुख्य द्वार पर कोयंबटूर के ह्लआदि योगीह्व की भव्य प्रतिमा आपको देखने को मिलेगी। पंडाल की लंबाई लगभग 110 फीट, चौड़ाई 60 फीट, ऊंचाई 50 फीट होगी।इसका निर्माण पश्चिम बंगाल के डेकोरेटर गौतम गौराई एवं बप्पा टेंट हाउस की देखरेख में जुलाई माह के अंतिम सप्ताह से जारी है। मां भगवती पूजा पंडाल में महहादेव नटराज रूप में विराजमान होंगे।

उनके साथ भागवान गणेश, मां लक्ष्मी, मां सरस्वती, कार्तिकेय होंगे।

वहीं महिषासुर अनेकों रूप में मां भगवती से क्षमा- याचना मुद्रा में दिखाई देंगे। मां भगवती की प्रतिमा का निर्माण कोलकाता के प्रसिद्ध हुगली निवासी कार्तिक पाल के पुत्र कौशिक चित्रकार के द्वारा किया जा रहा है। पूजा पंडाल के सजावट के साथ पूरे महादेव मंडा परिसर को आकर्षक विद्युत सज्जा से सजाया जाएगा।पूरे पूजा के दौरान महाभोग (प्रसाद) के रूप में मूंग का हलवा, खीर, फल, खिचड़ी, लड्डू के साथ मोतीचूर की बुंदिया श्रद्धालुओं के बीच बांटी जाएगी।

समिति के अध्यक्ष राजकुमार महतो ने बताया कि इस वर्ष भी मिनी मीना बाजार का आयोजन किया जा रहा है। बच्चों के मनोरंजन के लिए नाव, जंपिंग, घोड़ा, मिक्की, स्कॉर्पियो लगवाया जा रहा है, खाने-पीने के साथ खिलौना का भी दुकानें लगाई जाएंगी। पूजा पंडाल की सुरक्षा में सीसीटीवी कैमरे, सुरक्षा गार्ड, समिति के वॉलिंटियर्स तैनात रहेंगे. पूरे पूजा में लगभग 20 लाख रुपये खर्च होने की अनुमान है।

पूजा पंडाल की खासियत है इस स्थान पर सैकड़ों वर्षों से महादेव की पूजा अर्चना इस प्रांगण में होती है। यहां भव्य शिव मंडा पूजा का आयोजन हर वर्ष होता है, इसीलिए समिति ने सोचा कि क्यों ना इस साल का पंडाल महादेव को समर्पित किया जाए।

प्रखंड स्तरीय विभागीय समीक्षा बैठक हुआ आयोजित

साहिबगंज। प्रखंड सभागार मंडरो में जिला परिषद् अध्यक्ष मोनिका किस्कू द्वारा प्रखंड स्तरीय विभागीय समीक्षा बैठक की गई।उक्त बैठक में सर्वप्रथम बाल विकास परियोजना विभाग की समीक्षा की गई जिसमें महिला पर्यवे क्षिका से अंगनबाड़ी केंद्रो के संबंध में जानकारी ली गई।इसी विषय में ज़िला परिषद अध्यक्ष द्वारा निदेश दिया गया कि आंगनबाड़ी केंद्रो के निरीक्षण संबंधि प्रतिवदेन बाल विकास परियोजना पदाधि कारी के माध्यम से जिला परिषद् कार्यालय में भेजना सुनिश्चित करें।वहीं शिक्षा विभागअंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रम की जानकारी तथा पोषाक, मध्यान भोजन, छात्रवृति के वारे विस्तृत जानकारी ली गई। शिक्षा विभाग के उपस्थित प्रतिनिधि के द्वारा बताया गया कि सभी स्कूलों के छात्रों को पोषाक की राशि उनके बैंक खाते में भेजा गया । इसके अलावे सभी स्कूलों में पेयजल उपलब्धता के बा-रे में भी जानकारी ली गयी।उपस्थित बी0 आर0 पी0 द्वारा बताया गया कि 12 विद्यालयों पेयजल की व्यवस्था नहीं है।सूची उप लब्ध कराने का निदेश दिया गया।इस बीच कल्याण प्रखंड कल्याण पदाधिकारी को निदेश दिया गया कि कल्याण विभाग द्वारा चालाये जा रहे 05 योजनाओं का जांच प्रतिवेदन 05 दिनों के अंदर जिला परिषद् कार्यालय को भेजना सुनिश्चित करें।बैठक के द्वारा प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी से प्राप्त शिकायत एवं इसकी निवारण के लिए की गई कार्यवाही की समीक्षा भी की गई।जहां बताया गया कि शिकायत प्राप्त होने पर जांच की जाती है। अपने कार्य काल में दो डीलरों का शिकायत सही पाने के एवज में निलंबित भी किया गया है।इसी विषय में आगे जिला परिषद के अध्यक्ष द्वारा कहा गया कि निकट भवषिय में सभी पंचायतों के 10-10 लाभुकों से स्वयं बातचीत करेंगे।इसी क्रम में चिकित्सा प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी से उनके विभाग की समीक्षा की गई । चिकित्सा पदाधिकारी द्वारा स्वास्थय विभाग के सभी बिन्दुओं पर विस्तार से बताया गया।बैठक के दौरान मनरेगा आवास एवं पेंशन अदि योजनाओं के संबंध में समीक्षा की गई। महोदया द्वारा बी0 पी0 एम0, जे0 एस0 एल0 पी0 एस0 के सभी ग्रामों स्वंय सहायता समूह के अच्छादन संबधी जानकारी ली गई।इसके अलावा बैठक के दौरान प्रखंड में चल रहे बार्ड सदस्यों (तेतरिया सिमड़ा एवं खैरवा) के तीन दिवसीय प्रशिक्षण में महोदया शामिल हुई। सभी बार्ड सदस्यों के प्रशिक्षण संबंधी आवशचक व्यवस्था की जानकारी भी ली तथा उनसे इस प्रशिक्षण का अधिक से अधिक लाभ उठाकर अपने ग्रामों के सभी योजनाओं से अच्छादित कराने का अनुरोध किया।उक्त बैठक में धनंजय सोरेन जिला परिषद् सदस्य, शिला गुप्ता, उप प्रमुख,श्रीमती कनक प्रखंड विकास पदाधिकारी मंडरो, नरेश कुमार मुंडा, अंचल अधिकारी सह बाल विकास परियोजना पदाधिकारी,डॉ सलखु हांसदा,चिकित्सा पदाधिका री प्रखंड समन्वयक आवास, बीपीओ मनरेगा, बीपीएम जेएसएलपीएस, बीआरपी, शिक्षा विभाग, बीपीआरओ, कनीय अभियंता, पेयजल, मनरेगा, 15वें वित्त, सहायक अभियंता मनरेगा, प्रखंड कल्याण प्रखंड कृषि, महिला पर्यवेक्षिका, मंडरो एवं प्रखंड स्तरीय विभाग के अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

हिन्दी दैनिक
झारखण्ड देखो
खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

गोलमुरी क्षेत्र के विजय नगर में लगा कचरा का अंबार

साफ सफाई की ध्वस्त व्यवस्था पर भाजपा नेताओं ने किया क्षेत्र का दौरा, शीघ्र शुरू होगा साफ-सफाई का कार्य

जमशेदपुर/संवाददाता।

जमशेदपुर के पुर्वी विधानसभा अंतर्गत गोलमुरी क्षेत्र के विजय नगर में कूड़े के ढेर लगे हुए हैं। कई महीनों से सफाई नही होने से बजबजाती नालियां, फैली गंदगी और बदबू के कारण लोगों का घरों से निकलना भी मुश्किल हो रहा है। क्षेत्र में उत्पन्न ऐसे हालात साफ-सफाई एवं स्वच्छता के दावों की पोल खोल रहा है। विजय नगर में साफ-सफाई की ध्वस्त व्यवस्था पर मंगलवार को भाजपा नेताओं ने विजयनगर का दौरा किया। इस दौरान भाजपा जमशेदपुर महानगर के पूर्व जिलाध्यक्ष दिनेश कुमार, जिला महामंत्री राकेश कुमार के संग कई स्थानीय कार्यकर्ता व आमजन मौजूद रहे। भाजपा नेताओं ने स्थानीय निवासियों के संग क्षेत्र की साफ-सफाई का जायजा लिया। इस दौरान पूरे इलाके में साफ-सफाई का घोर आभाव देखने को मिला। स्थानीय लोगों ने बताया कि क्षेत्र में सफाई को लेकर स्थिति विकराल रूप ले रही है। कई स्ट्रीट लाइट भी खराब हो गए है। कई नालियां जाम है। जिससे नालों का गंदा पानी घरों के साथ-साथ मंदिरों तक आ रही है। स्थानीय निवासियों में साफ-सफाई ना होने के कारण आक्रोश देखा गया।

मौके पर भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष दिनेश कुमार से बातचीत के क्रम में स्थानीय निवासियों ने बताया कि स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं जिम्मेदार पदाधिकारी के अनदेखी के कारण जगह-जगह गंदगी और कचरे के ढ़ेर लगे हुए है। पूरे क्षेत्र की नालियां जाम है, जिससे बारिश के दिनों में नालों का गंदा पानी लोगों के घरों में आ रहा है। वहीं, सफाई व्यवस्था ध्वस्त होने से स्थानीय निवासी के साथ-साथ यहां से गुजरने वाले लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बताया कि बीते कई महीनों से सफाई नहीं होने के कारण गंदगी के अंबार से मच्छरों का प्रकोप बढ़ रहा है। जिससे मच्छरजनित जानलेवा बीमारियों के होने की आशंका बनी हुई रहती है। दिनेश कुमार ने इस संबंध में पूरी जानकारी राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास को दी, रघुवर दास जी ने जिले के सक्षम पाधिकारी को फोन कर समस्याओं के त्वरित निदान करने को कहा। वहीं, दिनेश कुमार ने बताया कि क्षेत्र की समस्याओं को लेकर जमशेदपुर अक्षेस के सक्षम पदाधिकारी का ध्यान इस ओर आकृष्ट कराया गया है। शीघ्र ही विजयनगर के पूरे क्षेत्र में साफ-सफाई को लेकर बड़े पैमाने पर कार्य किया जाएगा। उन्होंने विश्वास जताया कि क्षेत्र में लगे स्ट्रीट लाइट के मरम्मतीकरण का कार्य भी एक से दो दिनों में प्रारंभ होगा।

इस दौरान भाजपा गोलमुरी मंडल महामंत्री अशोक सामंत, बंटी अग्रवाल, पप्पू उपाध्याय, अमिश अग्रवाल, शिंदे सिंह, मंगल सिंह, सरबजीत कौर, गिरिजा देवी, उमेश प्रसाद, देबू, सागर शर्मा, दिलीप पोद्दार एवं काफी संख्या में स्थानीय महिलाएं और क्षेत्र के जागरूक नागरिक मौजुर रहे।

मनिफिट आदर्श नगर में साफ-सफाई का कार्य हुआ प्रारंभः टेल्को क्षेत्र अंतर्गत मनिफिट आदर्श नगर समेत आसपास के क्षेत्र में बदहाल सफाई पर राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री सह भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रघुवर दास की पहल पर क्षेत्र में सफाई का कार्य प्रारंभ हो गया है। ज्ञात हो कि रविवार को पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने क्षेत्र का दौरा कर लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं पर विस्तृत चर्चा की थी और शीघ्र ही युद्ध स्तर पर सफाई होने का आश्वासन दिया था। जिसपर मंगलवार से आदर्श नगर में साफ-सफाई एवं नालों की सफाई का कार्य शुरू हुआ। आदर्श नगर में पिछले दिनों बारिश होने से नालियों का गंदा पानी लोगों के घर में आ गया था। वहीं, बदबू एवं जाम नालों के कारण यहां रहने वाले लोग कई परेशानियों का सामना करने को मजबूर थे। सफाई कार्य प्रारंभ होने से आदर्श नगर के स्थानीय निवासियों ने पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास के प्रयासों के प्रति आभार जताया है।

संक्षिप्त समाचार

उपायुक्त मेघा भारद्वाज आमजनों के समस्याओं से हुई अवगत

कोडरमा। उपायुक्त मेघा भारद्वाज द्वारा अपने कार्यालय कक्ष में जनता दरबार का आयोजन किया गया। जिले के विभिन्न क्षेत्रों के लोगों ने जनता दरबार में आकर अपनी समस्याओं को उपायुक्त महोदया के समक्ष रखा। उपायुक्त ने सभी लोगों से एक-एक कर समस्याएँ सुनी और एवं सभी शिकायतों की जाँच कराते हुए जल्द से जल्द समाधान करने के लिए आश्वासन दिये। जनता दरबार में जमीन का रसीद निर्गत करने, जमीन विवाद, बकाया राशि का भुगतान करने, मकान पर जबरन कब्जा करने और जाली दस्तावेज बनाकर रसीद करवाने, कस्तूरबा विद्यालय में नामांकन, प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने, रोजगार दिलाने, मृत्यु प्रमाण पत्र निर्गत करने समेत कई मामलों में आवेदन दिया। ऐसे में जनता दरबार में सभी शिकायतकर्ता की समस्याओं को सुनने के पश्चात उपायुक्त महोदया ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को सभी आवेदनों का जांच करते हुए उसका समाधान जल्द से जल्द करने का निर्देश दिये

लोकहित अधिकार पार्टी का जन जागरण अभियान चलाया गयाः हरिनाथ साहू

बड़कागांव । कांके, सामाजिक न्याय का जन जागरण अभियान के तहत लोकहित अधिकार पार्टी के रांची लोकसभा प्रभारी हरिनाथ साहू रूपन नायक एवं मुकुल नायक जी के नेतृत्व में बुढ़मू प्रखंड के बाड़े पंचायत शहीद कई गांव का दौरा कर लोकहित अधिकार पार्टी के नीति सिद्धांतों को बताते हुए संगठन के विस्तार का चर्चा किया गया।

लोकसभा प्रभारी हरिनाथ साहू ने कहा मिशन 2024 के तहत केंद्र सरकार द्वारा भारतीय संविधान को बदलने, निजीकरण, पिछड़ा आरक्षण नीति में तुष्टिकरण, देश में जाति जनगणना का महत्व, महंगाई एवं बेरोजगारी सहित बहुत संख्यक पिछड़े दलित आदिवासी दबे कुचले वंचित शोषित व धार्मिक अल्पसंख्यक वर्गों को राजनीतिक भागीदारी एवं सामाजिक न्याय के विषय पर व्यापक रूप से पूरे प्रदेश में जन जागरूकता की आवश्यकता है।

इस अभियान में मुख्य रूप से शंकर नायक सूरज प्रसाद यादव रीना सिंह, रितेश नायक, जीतराम साहू सहित दर्जनों ग्रामीण शामिल हुए।

सांसद जयंत सिंन्हा का आज बड़कागांव का दौरा, करेंगे कई सड़कों का शिलान्यास

बड़कागांव । हजारीबाग सांसद सह अध्यक्ष वित्त संबंधी संसदीय स्थायी समिति जयंत सिन्हा का आज बुधवार को बड़कगांव पूर्वी उरीमारी मंडल का दौरा करेंगे एवं कई सड़कों का शिलान्यास एवं जन संवाद कार्यक्रम आयोजित होगा। आज दोपहर 12:00 बजे बादम चौक में सड़क का शिलान्यास, दोपहर 1:30 बजे स्थान ग्राम उरेज में आंगो होते हुए तलसवार पंचायत अंतर्गत सोमवार बाजार परेवातरी तक मुख्य सड़क का शिलान्यास, साथ ही साथ जन संवाद दोपहर 2:30 बजे आंगो में, जन संवाद दोपहर 3:30 बजे कोयलंग दीपदहा में जन संवाद शाम 5:00 बजे तलसवार पंचायत अंतर्गत परेवातरी सोमवार बाजार में होगा। इस कार्यक्रम में भाजपा के कई वरिष्ठ एवं कनिष्ठ कार्यकर्ता, समर्थक व ग्रामीण उपस्थित रहेंगे। जानकारी मंडल अध्यक्ष खेमलाल महतो एवं मंडल कोषाध्यक्ष ज्ञानचंद कुमार उर्फ ज्ञानी ने संयुक्त रूप से दी।

जाम ने किया व्यवस्था का बेड़ा गर्क, आखिर कब चेतेगा प्रशासन?

रांची/झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

रांची में आजकल अजीब स्थिति है हर तरफ अव्यवस्था ही दिखाई देती है। अगर आप कचहरी से रातू रोड की तरफ चलना पड़ शुरू करें तो राज भवन से लेकर अपर बाजार के मोड पर और रातू रोड से लेकर रातु कब्रिस्तान के पास स्थित पेट्रोल पंप तक कमोवेश जाम ही जाम की स्थिति दिखाई देती है।

कचहरी से लेकर मैन रोड़ होते हुए रेलवे ओवरब्रिज तक बाइक या कार तो छोड़िए, पैदल गुजरना भी बड़ा मुश्किल है। यह स्थिति बनी है सड़क के दोनों तरफ के फुटपाथ पर दुकानदारों द्वारा अतिक्रमण किए जाने से और कहीं कहीं तो रोड पर अपने हिसाब से भवन निर्माण के लिए लोग बालू, गिट्टी इत्यादि रोड पर ही गिरवा देते हैं, मानो रोड रोड ना हुआ उनकी निज़ी जागीर हो गई है। इससे आम आदमी के लिए शहर में चलना बड़ा दुभर हो गया है। अगर जल्द ही इस स्थिति पर नियंत्रण नहीं किया गया तो आने वाले समय में स्थिति और भी भयावह होगी, ऐसा अनुमान है।

आखिर सवाल है कि जब राजधानी में इस तरह की स्थिति बन रही है तो जिला प्रशासन और नगर निगम आखिर चुप क्यों है? राजधानी की व्यवस्था कंट्रोल भी तो आख़िर उनकी ही जिम्मेदारी है। फल सब्जी बेचने वाले सभी सड़क पर आ गए हैं, राज भवन गेट के पास ऑटो वाले का कब्जा हो गया है, लालपुर कोकर मार्ग पर तो पैदल चलना मुश्किल हो गया है

शहीद चौक से लेकर डेली मार्केट तक, सड़क पर फुटपाथ वेंडर्स का कब्जा हो गया है।

रांची ट्रैफिक पुलिस और रांची नगर निगम को इस पर संज्ञान लेकर कार्रवाई करना चाहिए।

कर्मचारियों को वेतन पुनरीक्षण की जानकारी नहीं देना गलत : रघुवर दास

पूर्व मुख्यमंत्री ने विशाल बादशाह को लिखा पत्र

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

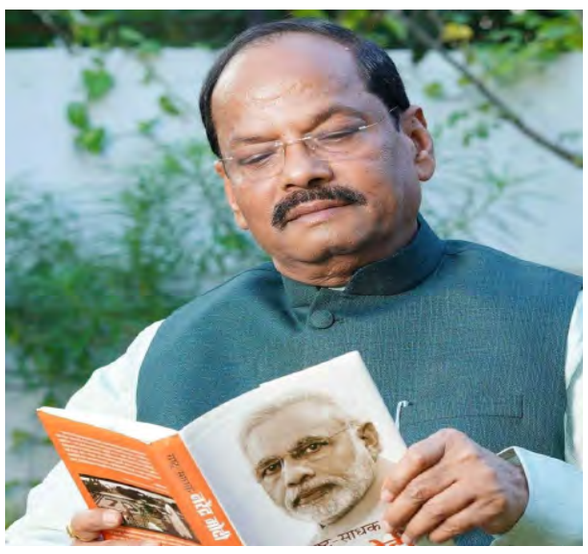

जमशेदपुर/ राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रघुवर दास ने टाटा मोटर्स के उपाध्यक्ष (सी.वी.ओ.) विशाल बादशाह को पत्र लिखकर कंपनी के जमशेदपुर प्लांट के श्रमिकों को मिलने वाली सुविधा में की गयी कटौती की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए उसके निराकरण करने का आग्रह किया है।

श्री दास ने पत्र में कहा है कि कंपनी के कर्मचारियों को हाल के वेतन पुनरीक्षण की जानकारी नहीं दी गयी है, जबकि इसके पूर्व कर्मचारियों को इसकी जानकारी दी जाती रही है। उन्होंने शिकायत की है कि कंपनी कर्मचारियों के अगस्त 2023 में सुरक्षा सूचनांक के नाम पर प्रत्येक कर्मचारियों के वेतन से 12 सौ रुपये की कटौती की गयी है। इसी माह में मेजर परफॉर्मेंस प्रोड्क्शन सेंगमेंट में 5,500 रुपये की कटौती की गयी है। इतना ही नहीं श्रमिकों को वेतन भुगतान की जो पर्ची दी गयी है, उसमें सुरक्षा सूचकांक गायब है, जो वेतन पुनरीक्षण समझौते के विरूद्ध है। श्री दास ने पत्र में यह भी कहा है कि कोविड-19 महामारी के दौरान बंद किये गये कंपनी का एक नंबर गेट को अभी तक नहीं खोला गया है, जिससे कर्मचारियों को असुविधा हो रही है। इसके अलावा कंपनी कर्मचारियों को बैंकिंग प्रक्रिया पूरी करने, अंतिम संस्कार में शामिल होने और बच्चों के लिए स्कूल जाने जैसे आवश्यक कार्यों के लिए महीने में तीन दिन की मिलने वाली छुट्टी बंद कर दी गयी है, जिससे कर्मचारियों में असंतोष है। पत्र में कहा गया है कि पूर्व में कर्मचारी की आकस्मिक मृत्यु पर अनुग्रह राशि दी जाती थी, जो बंद कर दी गयी है। अगर किसी के परिवार को यह रकम मिलती है तो उस कर्मचारी की ग्रुप इंश्योरेंस से वह राशि काट ली जाती है।

गोमिया में आकांक्षी कार्यक्रम के तहत चिंतन शिविर का आयोजन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

गोमिया। प्रखंड कार्यालय के सभागार में मंगलवार को आकांक्षी कार्यक्रम के तहत चिंतन शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से गोमिया विधायक डॉ लंबोदर महतो, उपायुक्त कुलदीप चौधरी,उप विकास आयुक्त कृतिश्री जी , जिप अध्यक्ष सुनीता देवी, प्रमुख प्रमिला चौड़े,बीडीओ कपिल कुमार,सीओ संदीप अनुराग टोपनो आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम में कई विभागों के पदाधिकारी प्रखंड के मुखियागण उपस्थित थे। इस दौरान विधायक डॉ लंबोदर महतो ने कहा कि केंद्र सरकार की नीति आयोग द्वारा पूरे देश में पांच सौ आकांक्षी ब्लॉक का चयन किया गया है, जिसमें से गोमिया ब्लॉक भी शामिल है। कहा कि पूरे बोकारो में गोमिया ब्लॉक को शामिल होने पर इसे एक चुनौती के रूप में लेना है और प्रखंड के विकास एवं लोगों की मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए मिलजुलकर कार्य करना है। कहा कि इस ब्लॉक में अभी भी कई गांवो में जनहित से संबंधित सुविधाओं का अभाव है लेकिन अब सुदूर गांवो में विकास के साथ साथ ग्रामीणों को मूलभूत सुविधाएं भी उपलब्ध कराना प्राथमिकता होगी। कहा कि क्षेत्र में पानी,बिलजी,स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क आदि का कार्य प्राथमिकता से किया जा रहा है और गोमिया एवं पलिहारी गुरुडीह सहित अन्य जरूरतमंद जगहों पर में पानी की समस्या का जल्द समाधान किया जाएगा। उपायुक्त कुलदीप चौधरी ने कहा कि नीति आयोग द्वारा जिले के गोमिया ब्लॉक को आकांक्षी ब्लॉक के रूप में चयन किया गया है और इसे एक चुनौती के रूप में लेना है और इस प्रखंड को आदर्श प्रखंड बनाना है। इसमें सभी विभागों को मिलजुलकर कार्य करना है। वहीं सभी पंचायतों में लोगों को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना है। इसके लिए पंचायत प्रतिनिधियों को भी आगे आना होगा। वहीं पंचायत में हो रहे विकास कार्यो की मॉनिटरिंग भी किया जाएगा। इसी प्रकार जिले के सभी प्रखंड के पंचायतों में पंचायत भवन होना चाहिए और जिस पंचायत में अभी तक पंचायत भवन नहीं बने हैं उसे चिन्हित कर जल्द ही पंचायत भवन का निर्माण किया जाएगा। उप विकास आयुक्त कृतिश्री जी ने कहा कि गोमिया ब्लॉक को आकांक्षी ब्लॉक में शामिल होने पर लोगों सभी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए कार्य करना होगा और इसमें सभी विभागों द्वारा एक दूसरे से समन्वय स्थापित कर कार्य करना होगा। कहा कि इसमें शिक्षा, स्वास्थ्य व अन्य जरूरतमंद कार्यो पर ×फोकस करना होगा। इसी प्रकार पंचायत प्रतिनिधियों को भी आगे आकर कार्य करना होगा। इस दौरान कई पंचायत के मुखिया ने भी अपनी अपनी बातों को साझा किया।

एचडीएफसी मुंबई के अधिकारियों ने योजनाओं का किया निरीक्षण

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

डुमरी। डुमरी प्रखंड अंतर्गत एचडीएफसी बैंक परिवर्तन के तहत परियोजना समग्र ग्रामीण विकास कार्यक्रम में किए जा रहे कार्यों का निरीक्षण मंगलवार को संस्था के अधिकारियों द्वारा किया गया।एचडीएफसी बैंक परिवर्तन सीएसआर मुंबई की ओर से विनीत जाधव, संस्था के सचिव संजय कुमार सिंह एवं सस्था के निदेशक अजय कुमार के द्वारा परियोजना क्षेत्रों का दौरा करके कृत कार्यों का निरीक्षण किया गया।अधिकारियों ने परियोजना अंतर्गत आधुनिक तरीके से कृषि प्रणाली के तहत किए गई कृषि कार्य,पशुपालन एव अन्य गतिविधियों का मूल्यांकन किया।संस्था के सचिव श्री सिंह ने बताया की गिरीडीह जिले के डुमरी प्रखण्ड के अंदर 15 ग्रामों मे यह परियोजना संचालित किया जा रहा है। जिससे यहां निवासरत 2000 किसानों के साथ काम करने का लक्ष्य रखा गया है।उन्होंने बताया कि डुमरी के जिस क्षेत्र में यह परियोजना संचालित किया जा रहा है,वहां लोग बारिश के मौसम के अलावा अन्य कोई भी फसल का उत्पादन नहीं कर पाते है, जिसका मुख्य कारण सिंचाई की समस्या है।क्षेत्र की भौगोलिक संरचना के कारण अधिक क्षेत्रों मे जंगल और पहाड़ हैं, जिसके कारण वर्षा के दिनों मे होने वाला बारिश का पानी सीधे नदी नालों के सहारे बाहर निकल जाता है, जिससे अन्य फसलों का उत्पादन करना मुश्किल हो जाता है।श्री कुमार ने बताया कि परियोजना संचालन के पूर्व ये समस्या बहुत ज्यादा थी, लेकिन परियोजना के माध्यम से लोगों को जागरूक करने के साथ साथ 10 तालाब और 5 कूप का निर्माण अलग अलग क्षेत्रों मे किया गया। जिससे वर्षा के जल को रोका गया और सिंचाई के लिए पानी की उपलब्धता सुनिश्चित की गई।

वहीं परियोजना के माध्यम से आधुनिक तकनीक के सहारे किसानों को ड्रिप,मलचिनग एवं मचान खेती के माध्यम से प्रत्येक मौसम में खेती करवाया जा रहा है।बताया कि किसान पाठशाला के माध्यम से लोगों को आधुनिक प्रणाली से खेती करने के लिए सिखाया जाता है। इसके साथ ही बच्चों के स्वास्थ्य,शिक्षा और पशुपालन पर भी काम किया जा रहा है।निदेशक श्री कुमार ने बताया कि इस क्षेत्र मे ऐसे ऐसे क्षेत्र हैं जहां लोग मजदूरी करने बाहर जाते थे,आज इस तकनीक के माध्यम से अपने बंजर पड़े भूमि पर खेती करके लाखों रुपए कमा रहे है। जिससे बहुत हद तक पलायन रुका है और कृषि करने वाले कृषकों को बल मिला है।

बताया कि क्षेत्र के किसान जानकारी के अभाव में ही अपने अपने उपजाऊ भूमि को छोड़ कर बाहर काम करने के लिए जाया करते थे। पर परियोजना संचालन के उपरांत इसमें काफी कमी आई है।वहीं श्री विनीत जाधव के द्वारा किसानों को संबोधित करते हुए कहा गया कि आप लोगों के सहयोग के लिए हमलोग सदा तत्पर हैं। साथ ही उन्होंने जन जागरण केन्द्र के कार्यों एवं उपलब्धियों को सराहा।उनके द्वारा किसानों के सहयोग के लिए धावाटांड़ फार्मर प्रड्यूसर कंपनी का उद्घाटन किया गया। ताकि किसानों को कंपनी से जोड़ कर और अधिक लाभान्वित किया जा सके।इसके पूर्व सभी अधिकारियों का पारंपरिक तरीके से स्वागत कर गांव की संस्कृति से अवगत कराया गया।इस दौरान परियोजना प्रबंधक सौरभ,मिस माणी, क्षेत्र समन्वयक भूपेन्द्र उपाध्याय,देव कुमार सिंह सीएफ हरीबोला लोहरा,जितेंद्र कुमार सिंह,प्रमोद महतो,सामू महतो, नरेन्द्र कुमार आदि उपस्थित थे।

श्री रानी सती भादो महोत्सव को लेकर हुआ प्रेस वार्ता

चास/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। श्री राणी सती भादो महोत्सव का 823वाँ शक्ति स्वारुपा दादी जी का वार्षिकोत्सव दो दिवसीय कार्यक्रम 14 एवं 15 सितंबर आयोजन के लिए प्रेस वार्ता की गई जिसमें समाज की सामाजिक संस्था के पदाधिकारीगण एवं आयोजनकर्ता मारवाड़ी पंचायत समिति के संयुक्त तत्वाधान में यह वार्ता बुलाई गई। इस मौके पर मारवाड़ी पंचायत समिति के अध्यक्ष डॉ रतन केजरीवाल ने बताया कि 14 सितंबर को 3:00 बजे से मंगल पाठ श्री विजय गर्ग मंगल पाठ वाचक कोलकाता के द्वारा प्रस्तुति दी जाएगी एवं शाम को 7:00 से ज्योत का कार्यक्रम चलेगा 15 सितंबर को प्रातः 4:00 बजे मंगला आरती सुबह 7:00 बजे से मावस की धोक सुबह 8:00 बजे से खीरपुडा का प्रसाद वितरण रात्रि 8:00 बजे से ज्योत एवं भजन कीर्तन, अलौकिक श्रृंगार कोलकाता से आयी गायिका सुश्री प्रियंका गुप्ता एवं सुश्री रिया शर्मा द्वारा सुंदर-सुंदर मीठे-मीठे दादी भजनों की वर्षा करेगी एवं रात्रि 12:00 बजे पूर्णाहुति कर कार्यक्रम का समापन किया जाएगा उक्त वार्ता में मारवाड़ी पंचायत के सम्मानित पदाधिकारी मारवाड़ी महिला समिति, मारवाड़ी युवा मंच,उड़ान शाखा,श्री श्याम दिवाने,श्री श्याम सेवा संस्थान, मारवाड़ी युवा मंच,बोकारो जिला मारवाड़ी सम्मेलन, दादी जी का आसरा,श्री श्याम बाल मंडल ,के पदाधिकारीगण और समाज के सभी गणमान्य सदस्य मुख्य रूप से उपस्थित रहें और रानी सती दादी जी का कार्यक्रम को भव्य रूप देने की सहमति बनाई।

जनधन योजना ने किया कमाल, यह दुनिया की सबसे बड़ी और प्रभावी वित्तीय समावेशन पहल में से एक

जनधन योजना दुनिया की सबसे बड़ी और प्रभावशाली वित्तीय समावेशन पहल में से एक है। इस योजना ने समाज के सभी वर्गों विशेषकर वंचित वर्ग के समावेशी विकास में योगदान दिया है। ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में लाखों बैंक मित्र करोड़ों लोगों को बैंकिंग प्रक्रिया से जोड़ने में सहायक बने हैं। जनधन खाते में पैसे जमा करने एवं निकालने पर कोई शुल्क नहीं देना पड़ता है।

जनधन योजना ने किया कमाल, यह दुनिया की सबसे बड़ी और प्रभावी वित्तीय समावेशन पहल में से एक

जनधन खाते में पैसे जमा करने एवं निकालने पर कोई शुल्क नहीं देना पड़ता है।

हाल में विश्व बैंक की इस रिपोर्ट ने सबका ध्यान खींचा कि भारत ने जनधन बैंक खातों, आधार और मोबाइल फोन के उपयोग से वित्तीय समावेशन दर को 80 प्रतिशत तक प्राप्त करने में केवल छह साल का समय लिया, जिसके लिए इस तरह के डिजिटल पेमेंट इन्फ्रास्ट्रक्चर यानी डीपीआइ के बिना 47 साल लग सकते थे।

जिस देश में दिल्ली से एक रुपया चलता था तो गांव तक उसमें से 15 पैसे ही पहुंचते थे, उस देश में आज 100 के 100 पैसे पूरे मिल रहे हैं और वह भी सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में, तो इसका श्रेय मोदी सरकार की वित्तीय समावेशन नीति को जाता है। देश के वित्तीय समावेशन की दिशा में 16 अगस्त, 2023 की तिथि किसी मील के पत्थर से कम नहीं है। इस दिन देश में प्रधानमंत्री जनधन योजना के तहत खुले बैंक खातों की संख्या 50 करोड़ के रिकार्ड आंकड़े को पार कर गई।

इन बैंक खातों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इनमें से 56 प्रतिशत बैंक खाते महिलाओं के हैं और 67 प्रतिशत खाते ग्रामीण एवं कस्बाई क्षेत्रों में खुले हैं। भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में वित्तीय समावेशन का इससे अच्छा उदाहरण और क्या हो सकता है? मोदी सरकार ने देश में वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के लिए 28 अगस्त, 2014 को प्रधानमंत्री जनधन योजना शुरू की थी, जिसका उद्देश्य प्रत्येक ऐसे परिवार को जीरो बैंक बैलेंस खाता उपलब्ध कराना था, जो बैंकिंग सेवा से नहीं जुड़े थे। इसके तहत हर परिवार के दो सदस्य जनधन खाता खोल सकते हैं। जनधन खाते में पैसे जमा करने एवं निकालने पर कोई शुल्क नहीं देना पड़ता है। इन खातों में बिना किसी शुल्क के फंड ट्रांसफर और मोबाइल बैंकिंग सुविधा मिलती है। इन बैंक खातों में न्यूनतम राशि रखने की भी आवश्यकता नहीं है। इसके अलावा मुफ्त रुपे डेबिट कार्ड के अलावा 10,000 रुपये तक का ओवरड्राफ्ट, दो लाख रुपये का दुर्घटना बीमा जैसी सुविधाएं भी मिलती हैं।

जनधन योजना के तहत खुले बैंक खातों का सबसे बड़ा लाभ यह हुआ कि केंद्र सरकार को धन के रिसाव को रोकने में मदद मिली। इसके लिए सरकार ने जनधन-आधार-मोबाइल के गठजोड़ से देश में बिचौलिया मुक्त धन हस्तांतरण का नेटवर्क स्थापित किया। इससे हर स्तर पर मौजूद बिचौलियों द्वारा किया जाने वाला फर्जीवाड़ा रुका और सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे लक्षित वर्गों तक पहुंचने लगा।

आज जनधन बैंक खातों का इस्तेमाल सरकारी योजनाओं की सब्सिडी, छात्रवृत्ति, पेंशन, आपदा सहायता जैसी तमाम योजनाओं का लाभ सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में पहुंचाने में किया जा रहा है। उदाहरण के लिए सरकार ने कोविड महामारी के दौरान जनधन खातों का इस्तेमाल किया और ग्रामीण परिवारों के खातों में तत्काल प्रत्यक्ष नकदी हस्तांतरण (डीबीटी) के माध्यम से धन भेजा। मात्र दस दिनों के भीतर 20 करोड़ से अधिक महिलाओं के बैंक खातों में राशि भेजी गई। जिस देश में 'आपदा में अवसर' तलाशने वालों की कमी न हो, वहां यह एक बड़ी उपलब्धि है। वित्त वर्ष 2022-23 में सरकार ने विभिन्न योजनाओं के 7.16 लाख करोड़ रुपये लाभार्थियों के बैंक खातों में हस्तांतरित किए, जो वित्त वर्ष 2013-14 में हस्तांतरित राशि (7,367 करोड़ रुपये) की तुलना में 100 गुना ज्यादा है। आज 53 केंद्रीय मंत्रालयों की 320 योजनाओं के लाभ डीबीटी के तहत सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में भेजे जा रहे हैं।

मार्ग-दर्शन

जब नेहरूजी ने माफी मांगी

यह उन दिनों की घटना है जब स्वतंत्रता के बाद जवाहरलाल नेहरू भारत के प्रधानमंत्री बने थे। डॉ. राजेंद्र प्रसाद राष्ट्रपति पद पर आसीन थे। एक दिन नई दिल्ली में कोई महत्वपूर्ण समारोह था, जिसमें राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री, दोनों को भी शरीक होना था। नियमानुसार ऐसे अवसरों पर प्रधानमंत्री को राष्ट्रपति से पहले पहुंचना होता है, क्योंकि उन्हें राष्ट्रपति की अगवानी करनी होती है। जवाहरलाल नेहरू यह बात भली-भांति जानते थे। इसीलिए उन्होंने शीघ्रतापूर्वक अपने आवश्यक कार्य संपन्न किए। वे समारोह के लिए निकलने ही वाले थे कि अचानक कोई अत्यावश्यक कार्य आ गया। इस कारण उन्हें दोतीन मिनट का विलंब हो गया। इस बीच डॉ. राजेंद्र प्रसाद निर्धारित समय पर समारोह में पहुंच गए। दो-तीन मिनट बाद जवाहरलाल नेहरू पहुंचे तो उन्हें अपने देर से आने का बड़ा दुख हुआ। हालांकि राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद के चेहरे पर कोई शिकन तक नहीं थी, किंतु जवाहरलाल नेहरू का मन नहीं माना। वे तत्काल डॉ. राजेंद्रप्रसाद के पास पहुंचे और उन्हें अपने विलंब का कारण बताते हुए क्षमायाचना की। राजेंद्र बाबू को जवाहरलालजी की इस विनम्रता ने बहुत प्रभावित किया। वे तत्काल उठकर खड़े हुए और जवाहरलाल नेहरू को गले लगा लिया। वहां उपस्थित लोग भी नेहरूजी की यह शालीनता देखकर गद्गद् हो गए। नेहरूजी की यह सादगी इतिहास में सदा के लिए अमर हो गई। पद-प्रतिष्ठा पाने के बाद भी स्वयं को सामान्य मानकर तदनुरूप आचरण व्यक्ति को विशिष्ट और आदरणीय बनाता है। सही कहा गया है कि ऐसी सरलता ही महानता की ओर ले जाती है।

जीने की राह

दिव्यता के सामने मुखौटे नहीं चलते

दिव्य व्यक्ति के सामने हम अपने आपको बहुत देर छिपा नहीं सकते। जो लोग आध्यात्मिक हो जाते हैं, उनके व्यक्तित्व में एक आकर्षण आ जाता है। यदि ऐसे लोगों के सामने आएं तो उन्हें दर्पण मानकर खुदॉ को खोजने की कोशिश करें। हमारे भीतर वह श्रेष्ठता कहां छिपी है, जो उनमें प्रकट हो रही है। इस सिद्धांत का बड़ा सुंदर दृश्य सुंदरकांड में आया है। श्रीराम पर नजर रखने के लिए रावण ने कुछ गुप्तचर भेजे थे। जब भी कोई श्रीराम के सामने आता, वे उसे अपने जैसा बनाने में देर नहीं करते। रावण के गुप्तचर भूल ही गए कि वे राक्षस हैं और श्रीराम के सामने उनका असली रूप प्रकट हो गया। 'रिपु के दूत कपिन्ह तब जाने। सकल बांधि कपीस पहिं आने।।' तब वानरों ने जाना कि ये शत्रु के दूत हैं और वे उन सबको बांधकर सुग्रीव के पास ले आए। 'कह सुग्रीव सुनहु सब बानर। अंग भंग करि पठवहु निसिचर।।' सुग्रीव ने कहा, 'सब वानरो सुनो, राक्षसों के अंग-भंग करके भेज दो।' जब गुप्तचर पकड़े गए तो राजा सुग्रीव ने उन्हें दंड दिए जाने का आदेश दॉ दिया। अब सवाल उठता है कि श्रीराम के दर्शन से तो दुख दूर होना चाहिए, फिर इन राक्षसों को दंड क्यों मिला। लेकिन यहां परमात्मा ने एक इशारा किया है। 'मेरे सामने जब भी आओ, जैसे हो वैसे होकर आना। वेश बदलकर छल-कपट के साथ मेरे सामने आने का परिणाम दंड है।' हम भी ठीक से समझ लें कि दुनिया के सामने मुखौटा चल जाता है, लेकिन दुनिया बनाने वाले के सामने हम जैसे हैं, वैसे ही प्रस्तुत हों।

लाइसेंसशुदा शिकारियों का पैनल भंग किए जाने पर उठ रहे सवाल, उत्तराखंड में आदमखोरों का बढ़ा खौफ

क्या उत्तराखंड में बाघों और तेंदुओं के कारण इंसानी जान की कीमत शासन की निगाहों में और सस्ती हो चुकी है? यह सवाल इसलिए उठा है क्योंकि राज्य सरकार ने लाइसेंसशुदा शिकारियों का पैनल हमेशा के लिए भंग कर दिया है। यह पैनल 2006 से ही उत्तराखंड की सरकारी व्यवस्था का अंग था। इन शेरदिल शिकारियों का आम लोगों को बड़ा आसरा था। पहाड़ का कितना भी दुर्गम इलाका हो, तेंदुओं से लोगों की हिफाजत का सबसे अधिक विश्वास इन्हीं शिकारियों ने अर्जित किया। जिम कॉर्बेट से शुरू करें तो आज तक पहाड़ में नरभक्षियों के आतंक से निजात दिलाने में एक से बढ़कर एक शिकारियों की कहानियां लोगों का दिल जीतती आई हैं।

-दिलचस्प बात यह है कि शिकारियों के पैनल पर सरकार को एक पैसा भी खर्च नहीं करना पड़ता। ये लोग वन विभाग के बुलावे पर किसी ऑपरेशन में शामिल होते हैं तो अपना सारा खर्च खुद ही वहन करते हैं। यहां तक कि अपनी बंदूक के लिए कारतूस भी ये खुद खरीदते हैं।

-दूसरी ओर वन विभाग पर हिंसक वन्यजीवों से जनता की हिफाजत का जिम्मा है, लेकिन महकमे के फॉरेस्ट गार्ड और अन्य वनकर्मी टाइगर रिजर्व में तैनात कर्मियों की तरह ट्रेंड नहीं हैं।

-राज्य सरकार कह रही है कि पेशेवर शिकारियों के विकल्प के तौर पर वह संबंधित ऑपरेशनों के लिए वनकर्मियों को प्रशिक्षित करेगी, साथ ही पुलिस बल की भी मदद लेगी।

-इसके अलावा वन विभाग के सहयोग से एनसीसी के करीब 40 हजार कैडेट तैयार किए जाएंगे, जो लोगों को जंगली जानवरों से आत्मरक्षा के गुर सिखाएंगे।

लेकिन सरकार की इस नीति पर विशेषज्ञों ने कई तरह के प्रश्न उठाए हैं।

-किसी आदमखोर जानवर, खासकर बाघ या तेंदुए को मारने के लिए वर्षों का तजुर्बा चाहिए।

-सबसे बड़ी चुनौती यह होती है कि जानवर तक कब और कैसे पहुंचा जाए और कैसे शिनाख्त की जाए कि आदमखोर यही है।

-तजुर्बे का अभाव और मामूली चूक के कारण निर्दोष जानवर की जान जा सकती है।

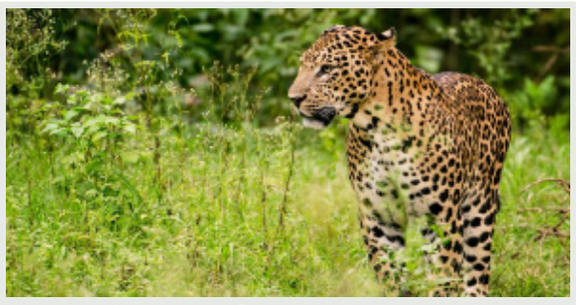

पहाड़ का कितना भी दुर्गम इलाका हो, तेंदुओं से लोगों की हिफाजत का सबसे अधिक विश्वास इन्हीं शिकारियों ने अर्जित किया। जिम कॉर्बेट से शुरू करें तो आज तक पहाड़ में नरभक्षियों के आतंक से निजात दिलाने में एक से बढ़कर एक शिकारियों की कहानियां लोगों का दिल जीतती आई हैं।

-इससे दोहरा नुकसान होता है। बेकसूर जानवर मारा जाता है और आदमखोर बेखौफ घूमते हुए अगली वारदात कर डालता है।

कुछ ही समय पहले फॉरेस्ट वालों ने अल्मोड़ा बाजार में आदमखोर समझकर एक मादा बाघ को शूट कर दिया, जबकि सच यह था कि यह मादा जंगल से भटक कर भूख के मारे बस्ती में दाखिल हो गई थी। यह वाकया पिछले साल नवंबर का है। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण ने इस घटना की जांच के बाद इसी साल मार्च में अपनी रिपोर्ट में खुलासा किया कि कॉर्बेट नैशनल पार्क की यह बाघिन बेहद शांत स्वभाव की थी और उसने आज तक किसी मनुष्य पर हमला नहीं किया था। उत्तराखंड में इस साल ऐसी ही घटनाओं में 12 बाघों की जानें जा चुकी हैं।

यह बात सही है कि सामान्य बाघ और आदमखोर में फर्क अनुभवी विशेषज्ञ ही कर सकता है। इसके लिए बाघ का व्यवहार समझना पड़ता है और उसकी सक्रियता वाले इलाके का हिस्सा बनना पड़ता है। यह काम जोखिम भरा होता है।

-उत्तराखंड में वन विभाग के पास ऐसे विशेषज्ञों की भारी कमी है। यहां तक कि नरभक्षी को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाने के लिए भी उसे बाहर से जानकार बुलाने पड़ते हैं।

-जानवर को ट्रैंकलाइज करने के लिए भी खास तरह की विशेषज्ञता चाहिए।

-वन विभाग का दावा है कि कुछ सालों में उसके पास इन कार्यों के लिए ट्रेंड टास्क फोर्स के अलावा लोगों को आत्मरक्षा के प्रति जागरूक करने वाले एनसीसी कैडेटों का बेड़ा होगा।

ये बातें कहने और सुनने में अच्छी लगती हैं, लेकिन कसौटी पर कितना खरा उतरेंगी, कहना मुश्किल है। वन्यजीवों के साथ सहजीवन का पाठ तो सरकार बहुत पहले से पढ़ाती आई है और पहाड़ में ऐसे अनेक एनजीओ उसके इस मिशन की 'खानापूर्ति' करते आए हैं। इन सबके बीच सच यही है कि पहाड़ में आम आदमी आदमखोर जानवरों के रहमोकरम पर है।

-एक गैर सरकारी रिपोर्ट के मुताबिक 1 जनवरी 2000 से 24 मई 2023 तक उत्तराखंड में तेंदुओं ने 505 और टाइगर ने 69 लोगों की जान ली।

-यह भी समझना होगा कि गांव में गाय पर टिकी किसी परिवार की अर्थव्यवस्था इस दुधारू पशु पर बाघ के एक हमले से तहस-नहस हो जाती है।

इन सवालों पर अदालत कोई आदेश देती है तो उसे भी गंभीरता से नहीं लिया जाता। नैनीताल हाईकोर्ट में दायर एक जनहित याचिका पर दो जजों की बेंच ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि वह प्रधान मुख्य वन संरक्षक की अध्यक्षता में दो सप्ताह के भीतर विशेषज्ञों की एक कमिटी बनाए और इसका ब्योरा दे। मगर याचिकाकर्ता को अभी तक कोई जानकारी नहीं दी गई है। याचिका में दिए गए सुझाव भी गौर करने लायक हैं।

-गांवों के आसपास लगभग 100 मीटर के अंदर हर खेत को आबाद करवाया जाए और जंगली झाड़ियां साफ करवाई जाएं।

-प्राथमिकता के आधार पर संवेदनशील गांवों में जालीदार तार-बाड़ से सुरक्षा घेरा बनाया जाए।

-वनों के गड़बड़ाते इकोसिस्टम को बहाल करने की दिशा में काम हो ताकि वन्यजीव जंगल में ही रह सकें।

सवाल है कि ऐसे सुझावों पर ढंग से अमल करवा कर पहाड़ के गांवों में पसरे खौफ का इलाज कब होगा। इसका जवाब फिलहाल किसी के पास नहीं।

सच का सामना करें

यह कोई अच्छी स्थिति नहीं कही जाएगी कि देश में एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया(ईजीआई) के अध्यक्ष और उसकी फैक्ट फाइंडिंग टीम के सदस्यों को गिरफ्तारी से बचने के लिए सुप्रीम कोर्ट की शरण लेनी पड़े। हालांकि बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम जमानत देकर इन सबके सिर पर लटक रही गिरफ्तारी की तलवार फिलहाल हटा दी है, जो निश्चित रूप से राहत की बात है, लेकिन यह मुद्दा अभी बना हुआ है। ध्यान रहे, मणिपुर अगर मई महीने से ही हिंसा की लपटों से घिरा दिख रहा है और तमाम प्रयासों के बावजूद अभी तक ये लपटें पूरी तरह शांत नहीं हो पाई हैं, तो इसके पीछे एक बड़ी भूमिका गलत और झूठी सूचनाओं के निरंतर प्रवाह की भी रही है। स्थानीय समुदायों के बीच दूरी आ गई जिसे फेक न्यूज और दुष्प्रचार अभियान और बढ़ाते रहे। इसी संदर्भ में ईजीआई की फैक्ट फाइंडिंग टीम ने बताया कि कैसे 'दोनों तरफ से परस्परविरोधी नैरेटिव चलाए जाते रहे।' इस रिपोर्ट पर मणिपुर पुलिस का प्राथमिकी दर्ज कर लेना जितना बेतुका और आपत्तिजनक है उससे ज्यादा दुर्भाग्यपूर्ण है खुद मुख्यमंत्री एन

बिरेन सिंह का इस मुद्दे पर प्रेस में आकर बयान देना और व्यक्तिगत रूप से ईजीआई रिपोर्ट की निंदा करना। जब मणिपुर सरकार प्रदेश में कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर अपनी नाकामी के कारण खुद कटघरे में है, वह ऐसा जताने की कोशिश कर रही है कि उसे सवाल किया जाना पसंद नहीं।

हालांकि किसी भी संस्था की कोई भी रिपोर्ट आलोचना से ऊपर नहीं होती। उस पर सवाल भी उठाए जा सकते हैं और उससे असहमति भी दर्ज कराई जा सकती है। लेकिन अगर कोई मुख्यमंत्री कुछ पत्रकारों को देशद्रोही और व्यवस्था विरोधी बताने लग जाए तो उससे बेहतर रिपोर्टिंग सुनिश्चित करने में कोई मदद नहीं मिलती। इस तरह की पुलिस कार्रवाई से मीडिया का स्वतंत्र कामकाज बाधित होता है। गौर करने की बात है कि राज्य के हिंसा पीड़ित लोगों के बीच राहत और पुनर्वास के कार्यों में मदद के लिए सुप्रीम कोर्ट की ओर से गठित कमिटी में किसी मणिपुरी को स्थान नहीं मिला तो इसके पीछे भेदभाव और पक्षपात की आशंकाओं को खत्म करने की ही भावना थी। राज्य सरकार ने अपने अफसरों को सोशल मीडिया ग्रुप्स से हटने को कहा तो उसके पीछे ये खबरें थीं कि नौकरशाही और पुलिस में जातीय आधार पर विभाजन दिख रहा है। ऐसे माहौल में विश्वास बहाल करना आसान नहीं होता। इसके लिए कड़वे सच को न सिर्फ सुनना होगा बल्कि उसे स्वीकार करना और उससे निपटना भी होगा। संवाद और सूचनाओं के प्रवाह पर लगी रोक हटाते हुए राज्य से बाहर के मीडिया को भी पूरी पहुंच देनी होगी। एन बिरेन सिंह सरकार ईजीआई सदस्यों के खिलाफ दायर FIR को वापस लेने की प्रक्रिया के साथ इस दिशा में सही शुरुआत कर सकती है।

वही बेगाने चेहरे हैं, कहां जाएं-किधर जाएं

मुनव्वर राना ने लिखा है-

किसी के जख़्म पर चाहत से पट्टी कौन बाँधेगा
अगर बहनें नहीं होंगी तो राखी कौन बाँधेगा

भाई-बहन के प्यार का त्योहार है रक्षा बंधन। सोशल मीडिया पर लोग तरह तरह के फोटो, गाने और कविताओं के जरिए अपने अपने भाई बहन के प्रति प्रेम उड़ेल रहे थे। देखकर दिल बाग बाग हो गया कि कितना प्यार है आपस में। तभी 2005 में हुए एक कानूनी बदलाव की याद आई कि शहर की पैतृक सम्पत्ति में भाइयों के साथ साथ बहनों का भी बराबर का हक होगा। सोचा कॉमन सिविल कोड की बात तो चल ही रही है। चलो देखते हैं कि लोग बेटी-बहनों के हक से जुड़े मौजूदा कानून के बारे में क्या राय रखते हैं?

एक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिख दिया कि सभी भाई तय करें कि पैतृक सम्पत्ति में बहन को उसका हिस्सा देंगे। उसके बाद एक हैशटैग लगा दिया रक्षाबंधन। लिखकर अपन तो उसे भूल कर लग गए कामकाज में। घंटे भर बाद दोबारा पोस्ट पर नजर पड़ी तो दंग रह गया। पोस्ट पर महाभारत छिड़ी हुई थी। पहला कमेंट एक बहना का आया- ब्रिलियंट रक्षा बंधन पोस्ट एवर। एक दूसरी वीरांगना का संदेश आया-वो क्यों देंगे,

कानूनन हक है, भाई तय करें कि हकमारी नहीं करेंगे। तभी एक वकील साहब का कमेंट आया- आप नैतिकता बनाम विधि के मसले को बेवजह हवा दे रहे हैं। पाश्चात्य मॉडल को प्रोपोगेट करना सही है क्या? तब तक एक और भाई का तिलमिलाया हुआ कमेंट आया- फिर बात केवल प्रॉपर्टी तक नहीं रहेगी। बहनें भी तय करें कि माता पिता की सेवा की जिम्मेदारी भी बेटे की तरह की साझा करेंगी।

सैकड़ों कमेंट आ रहे थे कि सबको साथ साथ पढ़ना और जवाब देना भी मुश्किल हो रहा था। बड़ी संख्या में एनआरआई और रिटायर लोग तो भी हमलावर थे। मेरी पोस्ट के खिलाफ नहीं बल्कि पोस्ट पर आ रहे कमेंट में एक दूसरे पर। एक मित्र ने कमेंट किया। यह मसला सिर्फ भाइयों के फैसले भर का नहीं है। बहनों को भी तय करना होगा कि ननद को मिलने वाले हिस्से में कांय कांय नहीं करेंगी। एक पुरानी बुजुर्ग माता जी उनसे नाराज हो गईं। उन्होंने जवाब दिया- यह क्या नया टंटा छेड़ दिया है? भाई लोग तो यही मानते हैं कि बहन की शादी पर जो खर्च कर दिया गया, वही उसकी पैतृक सम्पत्ति का हिस्सा था। तभी एक राणा साहब का व्यंग्य भरा नजरिया आया-इस रक्षाबंधन पर अपने भाई को बताएं कि पांच सौ या पांच हजार नहीं बल्कि सम्पत्ति में अपना उचित हिस्सा चाहिए और फिर पूरी तरह से प्रोटेक्टिव भाई की सुरक्षा देने की अवधारणा को छूमंतर होते देखिए।

इस बीच एक मुस्लिम भाई ने इस्लाम की तारीफ करते हुए कहा-उनके यहां पैतृक सम्पत्ति में बेटे के दो और बेटी का एक हिस्सा होता है और उनके खानदान में हमेशा इस नियम को फॉलो किया जाता है। तभी एक मुस्लिम बहन ने उन्हें काउंटर किया-लेकिन अविवाहित पुत्री का बराबर का हिस्सा होता है। इस उन्हीं की बिरादरी के एक तीसरे भाई का कमेंट आया-माँ बाप को जीते जी ही अपनी सम्पत्ति से बेटी का हिस्सा दे देना चाहिए और भाइयों पर यह फैसला लेने की गुंजाइश ही नहीं छोड़नी चाहिए। इस बीच एक दुखी पुरुष का कमेंट आया- बेटे पर अपनी पत्नी, बच्चों और माता पिता सबकी जिम्मेदारी होती है। उनसे जूझते हुए वह कलेजा भी निकाल कर रख दे तो बहन बहनोई के आडंबरपूर्ण प्यार का दिखावा नहीं कर सकता। यह हाल देखकर समझ आने लगा कि कॉमन सिविल कोड को लागू करना कितना मुश्किल काम होगा। अभी एक मौजूदा कानून को स्वीकार करने में एक बेहद प्यारे रिश्ते से जुड़े लोगों के बीच ही कितना टकराव है। बहरहाल सम्पत्ति पर हक को लेकर सोशल मीडिया पर दिखी इस जंग पर साहिर लुधियानवी का यह शेर और बात खत्म कि-

कोई तो ऐसा घर होता जहां से प्यार मिल जाता
वही बेगाने चेहरे हैं जहां जाएं जिधर जाएं

दैनिक पंचांग

13 सितम्बर 2023 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	06.08 बजे से
चंद्र	सिंह में	तुला	08.18 बजे से
मंगल	कन्या में	वृश्चिक	10.33 ब.से
बुध	सिंह में	धनु	12.49 बजे से
गुरु	मेष में	मकर	14.54 बजे से
शुक्र	कर्क में	कुंभ	16.41 बजे से
शनि	कुंभ में	मीन	18.14 बजे से
राहु	मेष में	मेष	19.44 बजे से
केतु	तुला में	वृष	21.24 बजे से
राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक		मिथुन	23.22 बजे से
		कर्क	01.36 बजे से
		सिंह	03.52 बजे से

बुधवार 2023 वर्ष का 256 वां दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2080 **शक संवत्** 1945 **मास** भाद्रपद (दक्षिण भारत में श्रावण) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** चतुर्दशी 04.50 बजे प्रात: को समाप्त। **नक्षत्र** मघा 02.01 बजे रात्र को समाप्त। **योग** सिद्ध 02.07 बजे रात्र को समाप्त। **करण** विष्टि 15.36 बजे तदनन्तर शकुनि 04.50 बजे प्रात: को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.6 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 03° 59' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1871735 **जूलियन दिन** 2460200.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2549 **हिजरी सन्** 1445 **महीना** सफर **तारीख** 27 **विशेष** मासिक शिवरात्रि, स्वामी ब्रह्मानंद लोधी निर्वाण दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

आपका राशिफल 13 सितम्बर

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे। शुभांक-5-6-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। किसी नजदीकी शुभचिंतक सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-2-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। पुराने मित्र से मिलन होगा। पुरुषार्थ का सहारा लें। शुभांक-5-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-4-6-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। आलस्य का त्याग करें। शुभांक-6-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-गोष्ठियों में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आनन्ददायक दिन रहेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-6-7-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की दौड़-भाग से यदि बचा जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। आय के अच्छे योग बनेगें। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-5-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-5-6-7

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-5-8-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। शुभांक-3-7-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय हैं मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। ''आगे-आगे गौरख जागे'' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-1-6-9

प्रसंगत: दृढनिश्चय

एक बार एक संत महाराज किसी काम से एक कस्बे में पहुंचे। रात्रि में रुकने के लिए वे कस्बे के एक मंदिर में गए। लेकिन वहां उनसे कहा गया कि वे इस कस्बे का कोई ऐसा व्यक्ति ले आएं, जो उनको जानता हो। तब उन्हें रुकने दिया जाएगा। उस अनजान कस्बे में उन्हें कौन जानता था? दूसरे मंदिरों और धर्मशालाओं में भी वही समस्या आयी। अब संत महाराज परेशान हो गए। रात काफी हो गयी थी और वे सड़क किनारे खड़े थे। तभी एक

घर को सजाएं कुछ इस तरह

घर ऐसी जगह है जहां हम फुर्सत के कुछ पल बिता सकते हैं। घर की सजावट से आपका व्यक्तित्व झलकता है, इसलिए इसे सजाते वक्त कुछ बातें ध्यान में रखें:

- घर के सब सदस्यों, विशेषकर बच्चों में सफाई की आदत बचपन से ही डालें।
- सुबह उठते ही बिस्तर पर चादर बिछाएं। ओढ़ने वाली चादरें व कम्बल तह करके रख दें।
- यदि सफाई करने वाली बाई है तो अपनी देखरेज में सफाई करवाएं।
- हफ्ते में एक बार कमरों से मकड़ी के जाले अवश्य साफ करें।
- सफाई करते समय पर्दों को एक तरफ कर दें, नहीं तो वे धूल से गंदे हो जाते हैं।
- पत्र-पत्रिकाएं एक होल्डर में टांगकर रखें।
- घर का बाहरी भाग,प्रवेश द्वार व लॉन को आप जितनी भी हरियाली से सजा सकें, सजाएं।
- यदि लॉन के लिए स्थान है तो घास अवश्य लगाएं व गमले में वे ही पौधे लगाएं, जो साल भर हरे-भरे रहते हों।
- बालकनी में चाहे तो फूलों वाले पौधे गमलों में लगाकर रखें।
- यह सब घर की आंतरिक सज्जा है, किन्तु इसे व्यवस्थित बनाए रखने के लिए कुछ दैनिक प्रयास भी आवश्यक हैं।
- अपने बाथरूम व टायलेट को कभी उपेक्षित न करें।

- कपड़ें टांगने के लिए हुक बाथरूम के दरवाजे पर लगाए
- शैम्पू, नहाने के साबुन और परफ्यूम के लिए एक छोटे से स्टैण्ड का इस्तेमाल करें।
- बाथरूम व टायलेट के बाहर रबर की मेट बिछाएं।
- ड्राइंग रुम की लंबाई और चौड़ाई को ध्यान में रखकर ही फर्नीचर खरीदें।
- डाइनिंग टेबल को कपड़े के कवर या प्लास्टिक के डिजाइन वाले कवर से ढंककर रखें।
- बाथरूम के उपयोग में आने वाली बाल्टियां व मग एक ही रंग के रखें, तो दिखने में सुन्दर लगेंगे।

ठंडे मौसम में भी सुरक्षित हो नन्हा

एक नन्हे मेहमान के लिए पहले जाड़े का मौसम खुशगवार भी हो सकता है और तकलीफदेह भी। यह नवजात शिशु को विभिन्न बीमारियां दे सकता है। थोड़ी सावधानी से नन्हे को स्वस्थ रखा जा सकता है। इसलिए आवश्यक है कि नवजात शिशुओं को कड़ाके की ठंड से बचाया जाए-

- नवजात शिशु को पूरी तरह ढक कर रखें, उन्हें ठंडी हवा से बचाएं।
- बच्चों की त्वचा कोमल और संवेदनशील होती है, इसलिए सर्दियों में तुरंत फटने लगती है। ग्लिसरीन, मलाई व वैसलीन बच्चों के हाथ, पैर व होंठों पर रात को सोते समय नियमित रूप से लगाएं।
- सर्दियों में बच्चों को भूख जल्दी लगती है, दूध अपने आपमें पूर्ण आहार है। कुनकुने दूध के अलावा दाल का पानी, फल-सब्जियों का रस अवश्य दें। ये बच्चे का संपूर्ण आहार हैं।
- बच्चों को दूध में शहद एवं बादाम मिलाकर पिलाएं। इससे उनकी त्वचा कोमल बनी रहेगी।
- गीली नैपीज से बच्चों को रैशेज हो जाते हैं। इसलिए नैपी बदलते समय जांघों पर बेबी पाउडर लगाएं।
- सर्दी-खांसी का संक्रमण शिशुओं में शीघ्र होता है। इन्हें संक्रमित व्यक्ति से दूर रखें। समय-समय पर डॉक्टर से सलाह लेते रहें और नियमित चेकअप कराते रहें।

जान के दुश्मन-ऊंची एड़ी के सैंडल

आजकल फैशन हो चुका है कि लड़कियां, औरतें सब ऊंची एड़ी की चप्पल, सैंडल पहनती हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार ऊंची एड़ी का प्रैशर दिमाग को हानि पहुंचाता है और रीढ़ की हड्डी के मनकों को क्षति पहुंचाता है। परोक्ष में कमर दर्द को आरंभ कर देता है।

ऊंची एड़ी के सैंडल पहनने से शरीर का संतुलन भी बिगड़ जाता है। स्लिप करने से पैर में मोच भी आ सकती है। कमर पर खिंचाव पड़ने से बैकबोन पर दबाव पड़ता है। एक बार कमर दर्द शुरू हो जाए तो काफी देर तक ठीक नहीं होता।

आपातकाल में यदि भागना पड़े तो ऊंची एड़ी की हील से भागा नहीं जा सकता। फिल्मों में अभिनेत्रियां अपना कद ऊंचा करने के लिए हील बहुत ऊंची पहनती हैं। वह मात्र शूटिंग तक सीमित होता है परन्तु समाज उन आदतों को ग्रहण कर लेता है। यह दिखावा एवं फैशन लड़कियों की कमर के लिए मुसीबत का कारण बन सकता है।

कमर दर्द के अन्य कारण भी हो सकते हैं। जैसे झुक कर बैठना, देर तक कम्प्यूटर या टाइप मशीन के सामने बैठना। आधुनिकता की दौड़ में कद छोटे होते जाते है। यह तो कमर दर्द को स्वयं निमंत्रण देने वाली बात है।

आज के युग में हर आठवीं औरत कमर दर्द से पीड़ित है। धीरे-धीरे यह दर्द स्पांडिलाइटिस नामक बीमारी का वाहक बन जाता है। रीढ़ के 33 मनकों या वर्टिब्रा में हर एक वर्टिब्रा के बीच में डिस्क पैड होता है। यदि वह स्लिप कर जाए या उसमें लिगामैंट टूट जाए तो बैक-पेन आरंभ हो जाता है।

गर्भावस्था में पांच - छः किलो का बच्चा धारण करने के कारण कमर दर्द माताओं में बढ़ जाता है।

पांव की एड़ी का दिमाग के साथ सीधा संबंध है। रूधिर की धमनियों और शिराओं का जोड़ पांव की उंगलियों और एड़ी में होता है।

रूधिर परिवहन में हाथों और पैरों की उचित हरकत परम आवश्यक हैं। एड़ीयां गीली-गीली रहें तो उनमें कटाव पड़ जाते हैं। चप्पल में ये और भी भद्दी लगती हैं। लम्बी दरारों में से खून रिसना हानिकारक है।

मेकअप के लिए बस दो मिनट

रोजमर्रा की दिनचर्या में पहनावे के साथ ही सौंदर्य प्रसाधनों में मेकअप का खास महत्व होता है। आए दिन की पार्टियों, विवाह आयोजन और घूमने-फिरने के दौरान मेकअप के सही तरीके को जानना जरूरी है। आजकल सौंदर्य प्रसाधनों में नेचुरल शेड्स की बहार आई हुई है जो देखने में आपके लुक को बदलने के साथ ही ढेर सारे कास्मेटिक के प्रयोग से बचाते हैं। तो क्यों न इनमें से कुछ आप भी अपने लिए चुन लें।

घर से बाहर जाते समय आपके चेहरे पर हल्का-सा मेकअप आपके रूप और सौंदर्य में चार चांद लगाने का काम करता हैं। पर हर समय मेकअप के लिए पर्याप्त समय नहीं हो पाता। इसके लिए जरूरत है कुछ ऐसे आसान तरीके अपनाने की जो कम समय में ही आपके रूप को निखार सकें। जब मेकअप करना हो तो सबसे पहले चेहरे को साफ करें फिर एक बर्फ का टूकड़ा लेकर त्वचा पर मलें। इसके बाद त्वचा से एक शेड गहरे फाउंडेशन को पूरे चेहरे, गले और गर्दन पर फैलाएं। अब ट्रांसल्यूसेंट पाउडर को जहां भी फाउंडेशन लगाया है, वहां लगाएं। अब आप ब्लेशर का प्रयोग करें। इसे नाक के दोनों ओर व चिकबोन पर अच्छे से लगाएं। गहरे ब्राउन या सिल्वरी ग्रे कलर के आईशैडो का आंखों पर प्रयोग करने के बाद मस्कारे का चयन अपनी ड्रेस के अनुसार किया जाए तो बेहतर होगा। आंखों को आकर्षक बनाने के लिए इसके अंतिम सिरों पर आई लाइनर लगाएं। अपने कपड़ों के अनुरूप गहरे रंग की लिपस्टिक को ब्रश की सहायता से लगाएं। आईशैडो पर गोल्डन ग्लिटर का प्रयोग किया जा सकता है। अंत में मेकअप और परिधान से मैच करती हुई चूड़ियां और बिंदी के प्रयोग से चेहरे को अधिक आकर्षक बनाया जा सकता है। अगर चेहरे के रंग को चमकदार दिखाना है, तो स्किन ब्राइटनर या ग्लो ऐन हांसर प्रयोग कीजिए। चेहरे पर मॉइश्चराइजर लगाने के बाद इसे लगाइए। आपका चेहरा और खिला-खिला व दमकता दिखने लगेगा।

होठों को खूबसूरत बनाने के लिए इस्तेमाल कीजिए लिप ग्लास का, लेकिन किसी रंग का लिप ग्लास इस्तेमाल करने से पहले ध्यान रखिए कि वो रंग आपके चेहरे के रंग से मेल खाला हो। कोई भी रंग बस ऐसे ही मत चुनिए। हमेशा ताजगीपूर्ण महसूस करने के लिए स्प्रे व रिफ्रेशिंग मिस्ट्स सबसे अच्छे साधन हैं।

वास्तव में कुदरत ने हर चेहरे को एक विशेष सौंदर्य प्रदान किया है। उसे हम बहुत ज्यादा मेकअप से और खूबसूरत बनाने का प्रयास करते हैं, लेकिन वह असहज लगने लगता है। अपने चेहरे की खूबसूरती को और ज्यादा निखारने के लिए मेकअप के साथ-साथ त्वचा की देखभाल और खुद पर भरोसे की जरूरत होती है।

दोरंगी ढोकला

सामग्री: 300 ग्राम चावल, 100 ग्राम उड़द दाल, 20 ग्राम साबुत जीरा, 100 ग्राम शक्कर, 3 टीस्पून खानेवाला सोडा, 3 टीस्पून तेल, 3 टीस्पून अदरक-मिर्ची का पेस्ट, 1 कप दही, 1 कप टोमैटो केचअप, आधा टीस्पून हल्दी पाउडर, 1 टीस्पून लाल मिर्च पाउडर, नमक स्वादानुसार।

विधि: सबसे पहले चावल और दाल को धोकर दो घंटे पानी में भिगो दें। बाद में मिक्सर में बारीक पीसकर उसमें साबुत जीरा, तेल, शक्कर, अदरक-हरी मिर्ची पेस्ट, दही, नमक और सोडा डालकर अच्छी तरह मिला लें। इसे घोल को दो बराबर हिस्सों में बांट दें। एक हिस्से को ट्रे में आधा डालकर स्टीम करें। 15 मिनट बाद भाप से निकाल लें। दूसरे घोल में टोमैटो केचअप, लाल मिर्च पाउडर, हल्दी पाउडर और गरम मसाला मिक्स करें और उसी ट्रे में डाल दें। 15 मिनट तक स्टीम करें। दोरंगी ढोकला तैयार है।

दर्द का अन्त तुरन्त

आमतौर पर महिलाएं अपनी सेहत के प्रति लापरवाह होती हैं. वे सेहतमंद रहेंगी तभी पूरा परिवार स्वस्थ रहेगा. आप भी अपने शरीर में होने वाले दर्द की अनदेखी कर रही है, तो ठीक नहीं. तो जरा गौर फरमाएं रोजमर्रा में होने वाले कुछ दर्द के कारण और निवारण पर.

टांगें

एहसास: ऊपर से नीचे तक टांगों में दर्द, कमजोरी और झनझनाहट होना.

इलाज: एक्टिव रहें और ज्यादा देर तक न तो खड़े रहें और न ही बैठे रहें. इसमें साइकोथैरेपी या एक्यूप्रेशर से राहत मिलती है.

कंधा

एहसास: कंधे के दर्द का एहसास किसी गतिविधि के ज्यादा देर तक करने के बाद होता है. बिना आराम किए लगातार काम करने से भी कंधों में दर्द होने लगता है.

कारण: किसी भी तरह का काम ज्यादा करने से शोल्डर्स में तनाव हो जाता है. कंधों की मांसपेशियों में थकावट सी महसूस होने लगती है.

इलाज: कंधे के जोड़ों को लचीला बनाए रखें. दर्द होने पर कंधों को धीरे-धीरे घुमाएं.

घुटना

एहसास: जोड़ों में जकड़न और सूजन के कारण घुटना मोड़ने और सीधा करने में परेशानी होती है.

इलाज: एक्टिव रहें, लेकिन बार-बार एक ही गतिविधि न दोहराएं. इससे समस्या बढ़ सकती है.

ब्रेस्ट

एहसास: ब्रेस्ट में दर्द महसूस होना साइक्लीकल भी हो सकता है. महीने में पीरियड्स के आसपास इसका एहसास होता है. नॉन साइक्लीकिल पेन ज्यादातर एक ही ब्रेस्ट में होता है

कारण: ब्रा की गलत फिटिंग और हॉर्मोनल चेंज के कारण भी दर्द हो सकता है. दर्द बढ़ने पर डॉक्टर से सम्पर्क करें.

इलाज: रोजाना 1-2 केप्सूल इवनिंग प्रिमरोज सा स्टार फ्लॉवर ऑयल की लें. ये विटामिन ई और गामा लिनोलेनिक एसिड युक्त होते हैं।

सिर

एहसास: लगातार दर्द और जकड़न महसूस होना.

कारण: तनाव, समय पर भोजन न करना, लंबे समय तक सिर एक तरफ पकड़ कर बैठना, पास बैठकर टीवी देखना आदि कारणों की वजह से सिर में दर्द होने लगता है. साइनस के कारण भी सिर में दर्द रहता है.

इलाज: इससे बचाव के लिए योग करें. भोजन समय पर खाएं और पानी ज्यादा मात्रा में पीएं.

पीठ

एहसास: मांसपेशियों में दर्द व जकड़न लोअर बैक से होता हुआ थाई तक पहुंच जाता है. काम करने में असुविधा महसूस होती है.

कारण: ज्यादा वजन, कब्ज, गलत तरीके से झुकने और लम्बे समय तक गलत पोजीशन में बैठने से पीठ दर्द होने लगता है.

इलाज: सीधे लेटें. इससे दर्द से राहत मिलेगी. साइकोथैरेपी से इस दर्द में राहत मिलती है.

हेल्थ प्लस

सही भोजन रखे वजन पर नियंत्रण

- रेशेदार भोजन अपने आहार में शामिल करें। इनमें कम कैलोरीज होती हैं और थोड़ा खाने से ही पेट भर जाता है।

- निश्चित समय के भोजन के अलावा और कुछ न खाती रहें।
- फैट्स न लें। फैट-शरीर में बैठ जाते हैं। फ्राई करने के बजाय खाना बॉयल या ग्रिल करें।
- अगर बार-बार खाने की इच्छा होने लगे तो उसे दबाएं। बाहर जाने से पहले घर से खाकर जाएं। इससे ज्यादा कैलोरी वाला खाना और बेक किए हुए पदार्थ खाने की इच्छा नहीं होगी।
- घर पर खाना खाएं। घर में बना खाना पौष्टिक होता है और इससे आपकी जरूरतें भी पूरी हो जाती हैं, लेकिन अगर आपको अक्सर बाहर खाना पड़े तो कम कैलोरी वाली डिशेज का ही चयन करें।
- आपके शरीर को संतुलित लो कैलोरी डाइट की जरूरत है, जिसमें सभी आवश्यक तत्व मौजूद हों।

बहुत गुणकारी है कपूर

- कान में दर्द हो तो तुलसी के पत्तों के रस में कपूर घोलकर मामूली गर्म कर कान में डालें।
- उल्टी आ रही हो तो पुदीने के अर्क में मामूली सा कपूर मिलाकर कुछ बूंदे सेवन करें।
- कपूर की टिकिया रसोईघर में किसी वस्तु पर रख दें। मक्खियां भाग जायेगी।
- मिट्टी के तेल की ढिबरी या लालटेन जलाते हों तो एक टिकिया डाल दें, रोशनी बढ़ जायेगी।
- श्वास रोग, चोट, मोच आदि की शिकायत हो तो सरसों के तेल में मिलाकर मालिश करें।
- दांतों में कीड़ा लगने की शिकायत हो तो नित्य रात में मामूली सा कपूर मुंह में रखकर सोयें।
- जल जाने पर नारियल के तेल में कपूर मिलाकर लगायें।
- आंख में जलने वाले काजल में अगर मामूली सा कपूर मिला लिया जायें तो बहुत गुणकारी साबित होगा।

पौष्टिक तत्व मिलेंगे फलों के रस में

रस का नाम आते ही मुंह में पानी आ जाता है। आज की भागती-दौड़ती जिन्दगी में खाने-पीने का पूरा ध्यान नहीं रख पाना एक आम बात है। इस वजह से रोगों में इजाफा होने लगा है, और डॉक्टर की जरूरत ज्यादा पड़ने लगी है। आप इन सबसे बच सकते हैं, बस जरूरत है थोड़े प्रयास की।

सुबह नाश्ते के समय एक ग्लास जूस जरूर पीएं। इससे आपको पर्याप्त पौष्टिक तत्व मिलते हैं, जो आपकी ऊर्जा को बढ़ाने में सहायक होते हैं। ज्यूस पीते समय कुछ सावधानियां बरती जाऐं तो इसके गुणों में और इजाफा होता है।

- हमेशा ताजा ज्यूस ही पीएं। लंबे समय तक रखे रहने से ज्यूस के पौष्टिक तत्व खत्म हो जाते हैं, और वह फायदे की जगह नुकसान कर जाता है।
- ज्यूस हमेशा ताजे फलों का ही पीएं।
- बिना मसाले का ज्यूस ज्यादा फायदा करता है।
- पहले से कटे हुए फलों का ज्यूस ना पीएं।
- ज्यूस हो सके तो हाथ से बनाएं या कपड़े में छानकर।
- ज्यूस बनाने से पहले फलों को अच्छी तरह से धो लें।
- गाजर का रस आंखों के लिए फायदेमंद रहता है, इसलिए कमजोर आंखों वालों को गाजर का ज्यूस ज्यादा पीना चाहिए।
- हो सके तो बिना बर्फ का ज्यूस पीएं।
- ज्यूस को कलरफुल दिखाने के लिए उसमें सिन्थेटिक कलर नहीं डालने चाहिए।
- मधुमेह रोगी डॉक्टर की सलाह से ही रस का प्रयोग करें।
- पके फलों का रस ज्यादा फायदेमंद रहता है।
- ताड़ के पेड़ के तने से निकाला जाने वाला नीरा भी सेहतमंद और स्वादिष्ट होता है।

नाखून द्वारा पहचानें स्वास्थ्य

हाथ के नाखून व्यक्ति के भीतर झाँकने की खिड़कियाँ हैं। इन खिड़कियों से व्यक्ति के स्वास्थ्य, जीवन शक्ति और स्वभाव की पक्की जानकारी मिलती है।

हारमोन की मात्रा तथा रक्त के स्तर के कारण नाखून का रंग, आकार, बनावट और चमक बनती है। शरीर के खनिज पदार्थ भी नाखून की बनावट और आकार पर प्रभाव डालते हैं। यदि हारमोन आदि सभी आवश्यक तत्व व्यक्ति में ठीक मात्रा में हों तो लगभग 5 मास में पुराने नाखून के स्थान पर नया नाखून आ जाता है। नाखून के रंगों से हम किसी भी व्यक्ति के स्वास्थ्य व उसके व्यक्तित्व के बारे में जान सकते हैं।

गुलाबी रंग की चमकीली आभा वाला नाखून, जो आकार में पर्याप्त लंबा और पर्याप्त चौड़ा हो, नाखून का मध्य भाग टी.वी. के स्क्रीन की तरह तनिक सा उभरा हुआ हो, ऐसा नाखून अच्छा मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य बताता है।

नाखून की जड़ के पास छोटे-छोटे सफेद अर्धचंद्र ठीक रक्त संचार बनाते हैं। बहुत बड़े अर्धचंद्र हों तो थायराइड ग्रंथि के हारमोन अनियमित हैं। इन्हें ब्लडप्रेशर चैक कराते रहना चाहिए। यदि अर्धचंद्र बिल्कुल न हों तो भी अच्छे नहीं होते। उन्हें भी ब्लडप्रेशर चैक कराते रहना चाहिए। गुलाबी रंग से उत्तम सेहत और उदार प्रवृत्ति की खबर मिलती है।लाल नाखून अधिक शारीरिक शक्ति, क्रोध, हिंसा की प्रवृत्ति बताता है।

सफेद नाखून वाले व्यक्ति की मानसिक प्रवृत्ति में अहंभाव की अधिकता और उतावलापन होता है।

चाय पीजिए मगर...

चाय अधिकांश लोगों के लिए एक आवश्यक व महत्वपूर्ण पेय है। अधिकतर लोग मेहमानों का स्वागत चाय से ही करते है। डाक्टर इसे स्वास्थ्य हेतु कई प्रकार से लाभदायक बताते हैं मगर यह ध्यान देने योग्य है कि अधिक चाय से होने वाले लाभ तथा हानियों के बारे में आपको बताएं-

लाभ-

- सर्दी में चाय पीना लाभप्रद है क्योंकि इससे ठंडे से बचाव होता है।
- बुढ़ापे में चाय पीने से शरीर में शक्ति आती है।
- दूध से अगर बादी हो जाए तो चाय से दूर होती है।
- गर्मी में यदि चाय पी जाए तो लू का असर नहीं होता।
- चाय से थका-हारा शरीर आराम अनुभव करता है।

हानियां-

- चाय से शरीर में खुश्की होकर खुजली आदि रोग पैदा होते हैं। चाय पीने से अनिद्रा रोग हो जाता है।
- चाय से पाचनशक्ति पर बुरा प्रभाव पड़ता है। भोजन के बाद चाय पीना हानिकारक है।
- गर्मी के मौसम में अधिक चाय पीना शरीर को हानि पहुंचाता है।
- स्नायुमंडल पर चाय का बुरा प्रभाव पड़ता है। अधिक चाय पीने से आयु कम होती है। दिन में अधिक चाय पीना हानिकारक है।

शिशु के स्वास्थ्य की देखभाल

छोटे बच्चों पर ऋतु तथा भोजन के परिवर्तन का बड़ा जल्दी प्रभाव होता है और उसके कोमल अंग इस अचानक तबदीली को सरलता से पचा नहीं सकते, इसलिए माता-पिता सजग व विवेकपूर्ण रहकर बच्चे के स्वास्थ्य की रक्षा में कमी न आने दें।

बच्चों को रोग हो चुका हो तो बेचैनी की स्थिति तक न पहुंचने दें। माता-पिता की सावधानी से ही बच्चा निरोग हो सकता है।

बच्चे के भोजन में उसे वही दें जो उसके लिए और उस आयु के बच्चों के लिए उचित हो, बड़ों जैसा खाना छोटों को न दें। बच्चे के लिए कुछ नियम बनाएं। उसके खान-पान को अनुशासित करें। प्रातः से रात्रि सोने के समय तक हर खुराक का, दूध आदि का समय निश्चित करें। उसी पर चलें। जब बच्चे ने मांगा या जब आपकी इच्छा हुई खिला दिया, यह ठीक नहीं। जोर-जबरदस्ती बिल्कुल नहीं करें।